RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

वर्ष : 27 अंक : 108 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बुधवार, 09 अप्रैल, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

भारत अब रुकेगा नहीं थमेगा नहीं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने अन्य लोगों के साथ 'नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में 'नवकार महामंत्र' का जाप किया। इसके बाद उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नवकार महामंत्र का ये दर्शन विकसित भारत के विजन से जुड़ता है। मैंने लालकिले से कहा है- विकसित भारत यानी विकास भी, विरासत भी। एक ऐसा भारत जो रुकेगा नहीं, ऐसा भारत जो थमेगा नहीं। जो ऊंचाई छुएगा, लेकिन अपनी जड़ों से नहीं कटेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं नवकार महामंत्र की इस आध्यात्मिक शक्ति को अब भी अपने भीतर अनुभव कर रहा हूं। कुछ वर्ष पूर्व मैं बंगलूरू में ऐसे ही एक सामुहिक मंत्रोच्चार का साक्षी बना था, आज वही अनुभूति हुई और उतनी ही गहराई में हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि नवकार महामंत्र सिर्फ मंत्र नहीं है। ये हमारी आस्था का केंद्र है। हमारे जीवन का मूल स्वर और इसका

आज हम सब 9 संकल्प लेकर जाएं

पहला संकल्प - पानी बचाने का संकल्प,
दूसरा संकल्प - एक पेड़ मां के नाम,
तीसरा संकल्प - स्वच्छता का मिशन,
चौथा संकल्प - वोकल फॉर लोकल,
पांचवा संकल्प - देश दर्शन,
छठा संकल्प - प्राकृतिक खेती को अपनाना,
सातवां संकल्प - हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाना,
आठवां संकल्प - योग और खेल को जीवन में स्थान देना,
नवां संकल्प - गरीबों की सहायता का संकल्प।

महत्व सिर्फ आध्यात्मिक नहीं है। ये स्वयं से लेकर समाज तक सबको राह दिखाता है, जन से जग तक की यात्रा है। इस मंत्र का प्रत्येक पद ही नहीं, बल्कि प्रत्येक अक्षर अपने आप में मंत्र है।

उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र एक मार्ग है। ऐसा मार्ग जो इंसान को भीतर से शुद्ध करता है, जो इंसान को सौहार्द की राह दिखाता है। नवकार महामंत्र सही मायने में मानव, (शेष पृष्ठ-3 पर)

'नवकार महामंत्र' हम सभी के लिए प्रेरणा : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' के अवसर पर आज लखनऊ में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (JITO) द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नवकार महामंत्र हम सबके लिए प्रेरणा है। जैन धर्म प्राचीनतम धर्मों में से एक है, कल भगवान महावीर जी की जयंती है।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैन तीर्थंकरों की एक महत्वपूर्ण भूमि है, भगवान ऋषभदेव श्री अयोध्या धाम के पहले राजा थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री अयोध्या धाम में पांच तीर्थंकर पैदा हुए। हमारे राज्य की प्राचीन नगरी में ही तीर्थंकर पैदा हुए। यहीं से उन्होंने मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान ऋषभ देव की ही परंपरा में भगवान मनु पैदा हुए जिन्होंने मानव धर्म की परंपरा को आगे बढ़ाया। इसी परम्परा में भगवान श्रीराम का जन्म हुआ। यह हमारे हजारों वर्ष पुरानी परंपरा है। जब दुनिया में अंधकार था तब हमारे अराध्यों ने धर्म का मार्ग अपनाकर अंधकार को दूर किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवकार महामंत्र साधना आत्मशुद्धि का (शेष पृष्ठ-3 पर)

रेपो रेट में कटौती : होम कार की घटेगी EMI

2025-26 में जीडीपी 6.5% रहने का अनुमान

भारत की जीडीपी ग्रोथ को लेकर कहा कि इस साल India GDP Growth पहली और दूसरी तिमाही में 6.5 फीसदी पर रहने का अनुमान है। वहीं तीसरी तिमाही में इसके 6.6 फीसदी, जबकि चौथी तिमाही में 6.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है.
आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर के शेयर मार्केट में मचे भूचाल के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने टैरिफ टेंशन के बीच बड़ी राहत दी है। आरबीआई ने रेपो रेट कम करके होम कार और कॉरपोरेट टैक्स की ईएमआई को कम करने का रास्ता दिखाया है। RBI एमपीसी की 54वीं बैठक और नए फाइनेंशियल ईयर FY26 की पहली बैठक के नतीजों का ऐलान करने के दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने ग्लोबल इकोनॉमिक टेंशन और ट्रेड वॉर पर चिंता जाहिर की।

उन्होंने कहा कि इस चुनौतियों भरे माहौल में केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती का ऐलान किया है (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेंसेक्स निफ्टी रेट जोन में

मुंबई (एजेंसी)। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन Sense&-Nifty ने फिर रेड जोन में कारोबार की शुरुआत की. BSE Sense& को खुलने के साथ ही 440 अंक तक फिसल गया। बता दें कि एशियाई बाजारों में जापान से लेकर हांगकांग तक के मार्केट में बड़ी गिरावट देखने को मिली है और गिफ्टी निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में 200 अंक से ज्यादा टूटा है। इस बीच फार्मा शेयरों में बड़ी गिरावट आई. बता दें कि सुबह 10 बजे आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा द्वारा ऐलान किए जाने के बाद भी Sense& जहां 400 अंक, तो Nifty 150 अंक की गिरावट लेकर कारोबार कर रहा था।

बुधवार को शेयर मार्केट (Share Market) में कारोबार की शुरुआत रेड जोन में हुई. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,227.08 के मुकाबले गिरकर 74,103 पर ओपन हुआ और कुछ ही मिनटों में ये 440 अंक से ज्यादा फिसलकर 73,700 के लेवल पर पहुंच गया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

डिलीवरी ब्वॉय की सड़क हादसे में मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के हनुमान मंदिर के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से डिलीवरी ब्वॉय की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। विजयनगर गाजियाबाद निवासी योगेंद्र सारस्वत बाइक से डिलीवरी देने का काम करता था। 8 अप्रैल की रात्रि को जोगेंद्र सारस्वत थाना क्षेत्र के हनुमान मंदिर के पास किसी को डिलीवरी देने के लिए गया था। इस दौरान अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में योगेंद्र

सारस्वत गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए यथार्थ अस्पताल में पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में मृतक के भाई सतेंद्र सारस्वत ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पेट्रोल पंप कर्मी नगदी लेकर फरार

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-52 स्थित शहीद मेजर अनुराग पेट्रोल पंप पर कार्यरत कर्मचारी सेल के 72276 लेकर फरार हो गया। आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर 24 में मुकदमा दर्ज कराया गया है। ओम प्रकाश सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि सेक्टर-52 स्थित शहीद मेजर अनुराग कन्वीनियंस आर्केड पर इटावा निवासी कर्तव्य गाड़ियों में पेट्रोल डालने का काम करता था। 1 अप्रैल की रात को कर्तव्य पंप पर हुई सेल के 72276 लेकर फरार हो गया। उसके गायब होने पर तलाश की गई लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

कंटेनर में भरे ब्रांडेड मोबाइल लेकर चंपत हुआ चालक

ग्रेटर नोएडा से भेजे गए थे दिल्ली एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की शैडोफैक्स कंपनी से एयरपोर्ट के लिए मोबाइल लेकर निकला कंटेनर चालक लाखों रुपए मूल्य के मोबाइल फोन को लेकर फरार हो गया। आरोपी कंटेनर चालक के खिलाफ थाना नॉलेज पार्क में कंपनी के ब्रांच मैनेजर ने मुकदमा दर्ज कराया है।

शैडोफैक्स कंपनी के ब्रांच मैनेजर जितेंद्र सिंह तेवतिया ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी कंपनी की एक ब्रांच मलकपुर में है। मलकपुर ब्रांच ने कंटेनर में वीवो, सैमसंग ब्रांड के न्यू मोबाइल फोन को बैग में पैक करके इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए भेजा था। कंटेनर चालक अरविंद दुबे जब समय पर एयरपोर्ट नहीं पहुंचा तो उसकी तलाश की गई। कंपनी के कर्मचारियों ने जब तलाश की तो कंटेनर सेक्टर 148 मेट्रो स्टेशन के पास लावारिस अवस्था में खड़ा हुआ मिला। कंटेनर के पास जाने पर पता चला कि उसकी सील बदली थी और ड्राइवर लापता था। कंपनी कर्मचारियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस की मौजूदगी में कंटेनर को थाने लाया गया। थाना परिसर में कंटेनर का भौतिक सत्यापन किया गया तो उसमें से 19 बैग मोबाइल फोन के गायब थे। जितेंद्र सिंह तेवतिया ने आरोप लगाया कि कंटेनर चालक अरविंद दुबे ने ही लाखों रुपए के मूल्य के मोबाइल फोन चोरी किए हैं। पकड़े जाने के भय से चालक कंटेनर को लावारिस हालत में छोड़कर फरार हो गया।

दो किशोरियां लापता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान से दो किशोरिया संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरियों के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। ईटेडा गांव के पास सर्विस रोड पर बनी झुग्गी बस्ती में रहने वाली पूनम (काल्पनिक नाम) ने अपनी (16 वर्षीय) पुत्री के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पूनम ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 27 मार्च की सुबह उसकी पुत्री घर से बिना बताए चली गई। पूनम ने दूर के रिश्तेदार ओमपाल पर अपनी पुत्री को बहला फुसला कर ले जाने का शक जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सदरपुर कॉलोनी से (16 वर्षीय) किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों लापता हो गई। किशोरी के पिता राकेश (काल्पनिक नाम) ने उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि किशोरियों की तलाश की जा रही है।

दीवार बनाने को लेकर दो पक्षों में चले लाठी-डंडे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के साकीपुर गांव में दीवार लगाने के विवाद में दो पक्षों में संघर्ष हो गया। मारपीट में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। ग्राम साकीपुर निवासी नवीन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 7 अप्रैल को गांव में अपनी जमीन पर दीवार कर रहे थे। इस दौरान गांव के ही ओमवीर, प्रवीण, रविंद्र, सागर, श्रीमती सुरेश व तीन चार महिला पुरुष लाठी डंडे व फरसा लेकर मौके पर आ गए और उन पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने जबरन उनकी जमीन कबजाने का प्रयास किया। उन्होंने जब विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। मारपीट में वह तथा उनके चचेरे भाई रोहित, सत्येंद्र विपिन घायल हो गए। मारपीट में विपिन का हाथ भी टूट गया। पीड़ित के मुताबिक शाम के समय (शेष पृष्ठ-3 पर)

टप्पेबाज गिरोह के साथ मुठभेड़, दो बदमाशों को लगी गोली

नोएडा (चेतना मंच)। टप्पेबाजी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार बदमाशों को थाना सेक्टर 113 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। इनके पास से लाखों रुपए मूल्य के सोने चांदी के आभूषण, तमंचा कारतूस व दो बाइक बरामद हुई हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा भारत हॉस्पिटल के पास चैकिंग की जा रही थी। इस दौरान दो बाइक पर आ रहे चार लोगों को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर बाइक सवार ककराला की तरफ भागने लगे। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने बाइक सवारों का पीछा शुरू किया। इस दौरान एक बाइक डिवाइडर (शेष पृष्ठ-3 पर)

बच्चों को डराकर जालसाज ने 15 मिनट में साफ किया माल

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के चौड़ा गांव में रहने वाले एक दंपत्ति के बच्चों को बरगलाकर एक जालसाज लाखों रुपए के जेवरात और 90 हजार रुपए लेकर चंपत हो गया। जालसाज ने घर में मौजूद बच्चों को उनकी मम्मी के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने तथा घर पर पुलिस आने की बात कह कर डरा दिया। इसके बाद जालसाज ने बच्चों को झांसे में लेकर घर में रखे जेवरात और नगदी ले ली और रफूचक्कर हो गया। चौड़ा सादतपुर गांव में रहने वाले मुकेश कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह और उसकी पत्नी दोनों काम पर चले गए थे। इस दौरान घर पर उसके दोनों बच्चे थे। शाम करीब 4 बजे उनके घर पर एक व्यक्ति पहुंचा और उसने बच्चों से कहा कि उनकी मम्मी कांति को पुलिस ने एक केस में फंसा दिया है। पुलिस जल्दी ही घर पर आने वाली है। इसलिए वह घर में रखा सारा सोने का सामान और पैसे निकाल कर छुपा ले। उक्त व्यक्ति की बातों से डर कर बच्चों ने घर में रखे जेवरात व नगदी निकाल कर एक जगह इकट्ठा कर लिए। इसके बाद उक्त व्यक्ति बच्चों को झांसा देकर जेवरात व नगदी (शेष पृष्ठ-3 पर)

पांच किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्कर के पास से 5 किलो 200 ग्राम गांजा व एक चाकू बरामद हुआ है। थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। कोट नहर के पास पुलिस टीम को एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस की गाड़ी को देखकर उक्त व्यक्ति सकपका कर विपरीत दिशा में मुड़ गया और तेज कदमों से जाने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उक्त व्यक्ति को रोक लिया। तलाशी में उसके पास से 5 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ। (शेष पृष्ठ-3 पर)

अपराधियों पर रहेगी पुलिस की 'पैनीनजर'

लगेंगे 2634 कैमरे, 22 को होगी प्रीबिड मीटिंग, 16 मई को खोले जाएंगे टेंडर

नोएडा (चेतना मंच)। अब 13 थाना क्षेत्रों में सड़कों पर होने वाली हर गतिविधियों पर पुलिस विभाग की गिद्धनजर रहेगी। नोएडा सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत 561 स्थानों पर 2634 हाई पॉवर वाले कैमरे लगेंगे। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने निविदा जारी कर दी है। 22 अप्रैल को निविदाकारों की प्रीबिड बैठक होगी तथा 16 मई को निविदा खोली जाएगी।

इस योजना में नोएडा के 13 थाना क्षेत्रों के 561 लोकेशान पर 250 किलोमीटर आप्टिक फाइवर का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। यहां से थाने लाइव मॉनिटरिंग कर सकेंगे। इसके लिए अलग से सेक्टर-94 में कमांड कंट्रोल रुम बनाया जाएगा। इसका इंफ्रास्ट्रक्र बनाने का काम प्राधिकरण करेगी। इंफ्रास्ट्रक्र बनने के बाद नोएडा पुलिस कमिश्नरेट को इसे हैंडओवर कर दिया जाएगा। ये वीडियो वॉल से 24 घंटे शहर की लाइव मॉनिटरिंग की जा सकेगी।

सुरक्षा होगी हाईटेक

सेंसिटिव लोकेशनों पर लगेंगे 147 इमरजेंसी पैनिक बटन, 418 पब्लिक एड्रेस सिस्टम और साइन बोर्ड

सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए सेंसटिव स्थान और चौराहों पर 147 इमरजेंसी पेनिक बटन कॉल बॉक्स लगाए जाएंगे। इसके बटन को प्रेस करते ही ऑटोमेटिक कॉल नजदीक चौकी या थाने में पहुंच जाएगी। साथ ही आपको कैमरों की मदद से ट्रैस किया जाने लगेगा। इसके अलावा 418 पब्लिक एड्रेसिंग सिस्टम लगाया जाएगा। ये सिस्टम स्पीकर बेस्ट होगा। जिससे इमरजेंसी या कोई अन्य सूचना पब्लिक को दी जा सके। 20 की संख्या में साइन बोर्ड लगाए जाएंगे।

नंबर प्लेट और फेस डिटेक्शन सिस्टम से होगी निगरानी

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत 561 लोकेशम पर 1543 फिक्स सर्विलांस कैमरे (4एमपी), 561 लोकेशन पर 406 जूम कैमरे (2 मेगा पिक्सल), 100 कैमरे ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकगिनेशन (8 मेगापिक्सल) एवं फेस डिडेक्शन कैमरे लगाए जांएगे।

लाखों लोगों की प्यास बुझाएगा एटीएम का ठंडा जल

आज से सभी वाटर एटीएम प्रातः 8 से रात 8 बजे तक चालू रहेंगे : आरपी सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। भीषण गर्मी में प्यास से व्याकुल लोगों का गला तर करने के लिए नोएडा प्राधिकरण विशेषकर जल विभाग भगीरथ की भूमिका निभा रहा है। प्राधिकरण ने राहगीरों समेत लाखों लोगों की प्यास बुझाने के लिए 6 स्थानों पर ठंडे पेयजल के एटीएम

लगवा दिए हैं। खास बात यह है कि इन सभी एटीएम में अब सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक यानी 12 घंटे ठंडे पानी की सुविधा मिलेगी।

नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के महाप्रबंधक आर.पी. सिंह ने पूछने पर बताया कि अभी तक इन सभी एटीएम में प्रात: 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 5-8 बजे तक ठंडा जल मिलता था, लेकिन भीषण गर्मी के मददेनजर अब यह सुविधा 12 घंटे लगातार मौजूद रहेगी।

उन्होंने बताया कि सेक्टर-37, 33, 12-22, 64, 45 व ग्राम नगलाचरण दास, औद्योगिक क्षेत्र फेस-2 में वाटर एटीएम स्थापित किए गए हैं। इनका संचालन सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक किया जा रहा था। गर्मियों को देखते हुए नागरिकों की सुविधा के लिए यह वाटर एटीएम अब सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक खुले रहेंगे। शहरवासी 12 घंटे के अंदर इन वाटर एटीएम से नि:शुल्क पानी ले सकते हैं। इससे भीषण गर्मी में लोगों को प्यास बुझाने में राहत मिल सकेगी।

टैरिफ हमले

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मनमाने टैरिफ हमले और चीन की जवाबी कार्रवाई से विश्व के तमाम शेयर बाजार लहूलुहान हुए हैं। कई अन्य देशों की भी जवाबी कार्रवाई के फैसले से दीर्घकालीन व्यापार युद्ध की आशंका बलवती हो गई है। जिससे पूरी दुनिया में मंदी आने की चेतावनी दी जा रही है। निश्चित तौर पर इससे आर्थिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस संशय और अनिश्चितता के चलते शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली से दुनिया के तमाम शेयर बाजार धराशायी हुए हैं। निवेशकों को लाखों करोड़ का नुकसान हो रहा है। आने वाले समय में टैरिफ वॉर के और बढ़ने की आशंका है क्योंकि चीन ने नौ अप्रैल को होने वाली विश्व व्यापार संगठन की बैठक में 'नई व्यापार चिंता' के रूप में अमेरिका की टैरिफ नीति का मुखर विरोध करने का फैसला किया है। चीन का मानना है कि अमेरिका के एकतरफा संरक्षणवाद का दुनिया के देशों को विरोध करना चाहिए, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रणाली की सुरक्षा के लिये एक व्यापक गठबंधन बनाने की जरूरत बतायी है। इन हालात में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अंतर्राष्ट्रीय दबाव के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ थोपने के फैसले को वापस लेंगे? या फिर पहले की तरह टैरिफ लगाने की धौंस देते रहेंगे। वैसे इस बात की संभावना कम ही है कि जिद्दी ट्रंप अपने बढ़े कदमों को पीछे खींचेंगे। यहां सवाल यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ का जवाब देने वाले देश पलटवार करने में कितने सक्षम हैं। वहीं भारत ने दीर्घकालीन व व्यापक हितों को देखते हुए टकराव टालने का प्रयास किया है और बातचीत का रास्ता चुना है। लेकिन इस अनिश्चितता के दौर में निवेशकों में बढ़ती असुरक्षा ने भारत सरकार पर नीतिगत फैसले लेने के लिये दबाव बनाया है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी संभावना है कि चीन व प्रतिकार करने वाले अन्य देशों के दबाव के कारण ट्रंप अपनी आक्रामक रणनीति को लंबे समय तक जारी नहीं रख पाएंगे। विडंबना यह है कि अमेरिका राष्ट्रपति के इन कदमों से खुद अमेरिका के लिये भी बड़ी आर्थिक चुनौती पैदा हो सकती है। येल विश्वविद्यालय में बजट लैब के एक विश्लेषण के अनुसार ट्रंप सरकार के प्रतिशोधात्मक टैरिफ से औसत अमेरिकी परिवार को सालाना चार हजार दो सौ डॉलर का नुकसान उठाना पड़ सकता है। इतना ही नहीं अमेरिका में मंदी और तेज मुद्रास्फीति का खतरा भी मंडरा रहा है। वहीं भारत जैसे अन्य विकासशील व विकसित देशों को आशा है कि वैश्विक व घरेलू दबाव ट्रंप को उनकी भूल का अहसास कराएगा। जिससे वे अधिक आर्थिक अराजकता पैदा करने वाले फैसलों से पीछे हटेंगे। वैसे एक हकीकत यह भी है कि अमेरिका अपने कई उत्पादों के लिये अन्य देशों पर निर्भर है। उसके उद्यमियों ने भी दूसरे देशों में औद्योगिक यूनिट लगा रखे हैं। ऐसे में उन देशों पर टैरिफ लगाने से अमेरिकी जनता द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं के दाम भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेंगे। यही वजह है कि अमेरिका के शेयर बाजारों में भी बड़ी गिरावट देखी गई है। जिसका असर पूरी दुनिया पर भी दिख रहा है और स्थितियां कोरोना काल के संकट जैसी बन गई हैं। वैसे आज भी दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं कोरोना काल से पूर्व की आर्थिक स्थिति पर लौटने के लिये संघर्षरत हैं। कमोबेश ये स्थितियां बड़े आर्थिक संकट की आहट दे रही हैं। जिसकी वजह है कि अमेरिका समेत अन्य देशों में निवेश बाधित होने, उत्पादन में गिरावट, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान से वैश्विक स्तर पर महंगाई उत्पन्न होने की चिंताएं बढ़ रही हैं। जिसका तमाम क्षेत्रों पर असर पड़ने से आम लोगों का जीवनयापन कठिन होता जाएगा। खपत कम होने से अर्थव्यवस्था का चक्र धीमा हो जाएगा। यही वजह है कि ट्रंप के मनमाने टैरिफ युद्ध से दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं खुद को बचाने की जद्दोजहद में जुटी हैं। हालांकि, खुद अमेरिका भी इसके दुष्परिणामों से अछूता नहीं रहेगा। निवेशकों की घबराहट से उसकी अर्थव्यवस्था भी चरमराएगी। आने वाले वक्त में उसके दांव ही उलटे पड़ने वाले हैं। घोर संरक्षणवाद के चलते वह कालांतर में शेष दुनिया से कट जाएगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि (याज्ञवल्क्यजी ने कहा-) हे भरद्वाज! शंकरजी के वचन सुनकर पार्वतीजी सकुचाकर प्रेमसहित मुस्कुराईं। फिर वृषकेतु शिवजी जिस कारण से भगवान का वह अवतार हुआ था, उसका वर्णन करने लगे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0- सो मैं तुम्ह सन कहउँ सबु सुनु मुनीस मन लाइ।
रामकथा कलि मल हरनि मंगल करनि सुहाइ॥

हे मुनीश्वर भरद्वाज! मैं वह सब तुमसे कहता हूँ, मन लगाकर सुनो। श्री रामचन्द्रजी की कथा कलियुग के पापों को हरने वाली, कल्याण करने वाली और बड़ी सुंदर है॥

स्वायंभू मनु अरु सतरूपा। जिन्ह तें भै नरसृष्टि अनूपा॥
दंपति धरम आचरन नीका। अजहुँ गाव श्रुति जिन्ह कै लीका॥

स्वायम्भुव मनु और (उनकी पत्नी) शतरूपा, जिनसे मनुष्यों की यह अनुपम सृष्टि हुई, इन दोनों पति-पत्नी के धर्म और आचरण बहुत अच्छे थे। आज भी वेद जिनकी मर्यादा का गान करते हैं॥

नृप उत्तानपाद सुत तासू। ध्रुव हरिभगत भयउ सुत जासू॥
लघु सुत नाम प्रियब्रत ताही। बेद पुरान प्रसंसहिं जाही॥

राजा उत्तानपाद उनके पुत्र थे, जिनके पुत्र (प्रसिद्ध) हरिभक्त ध्रुवजी हुए। उन (मनुजी) के छोटे लड़के का नाम प्रियव्रत था, जिनकी प्रशंसा वेद और पुराण करते हैं॥ (क्रमशः...)

जजों की संपत्ति का प्रकटीकरण पारदर्शिता की ओर कदम

न्यायपालिका पर जनता का भरोसा लोकतंत्र का अहम आधार है। न्यायिक प्रणाली में किसी संदेह की गुंजाइश नहीं रहे, इसके लिये न्यायपालिका में अधिक पारदर्शिता, जबावदेही एवं निष्पक्षता की जरूरत है, इसके लिये सर्वोच्च न्यायालय से निचली अदालतों तक के न्यायाधीशों को संपत्ति सार्वजनिक करने जैसे कदम उठाए जाने की अपेक्षा आजादी के अमृतकाल में तीव्रता से की जा रही थी, ताकि न्यायपालिका की पारदर्शिता को लेकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें, यह मुद्दा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्डी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों के बाद गंभीर सार्वजनिक विमर्श का बन गया था। जनचर्चाओं एवं आदर्श राष्ट्र-निर्माण की अपेक्षाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, वह सही दिशा में उठाया गया उचित एवं प्रासंगिक कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में न्यायालयों को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। न्याय करने वाले न्यायाधीशों पर संदेह के बादल मंडराना न्याय-प्रक्रिया पर भरोसा कम करने का एक बड़ा कारण बनता रहा है। अब जनता की अपने पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा पूरी होते हुए दिखाई देना एक रोशनी बना है, जिससे न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास ज्यादा मजबूत होगा। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करने का मुद्दा बहुत पुराना रहा है। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है। बाद में, एक और प्रस्ताव आया कि न्यायाधीश चाहें तो अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर सकते हैं, लेकिन यह अनिवार्य नहीं, स्वैच्छिक था। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कई बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं? इसके पीछे यही तर्क रहा कि किसी निजी जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी तथ्य को आधार बनाकर कहा गया कि जानकारी सार्वजनिक करना न्यायाधीशों की इच्छा पर है। एक तरह से यह व्यवस्था न्यायाधीशों को लगातार संदेहों के घेरे में रखती रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाला एक सराहनीय कदम होगा। जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग के पीछे बड़ा तर्क भी यही दिया जाता रहा है कि जब तक जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज, सरल

न्यायधीशों को भी अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करने का मुद्दा बहुत पुराना रहा है। 1997 में सुप्रीम कोर्ट ने एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार हर न्यायाधीश को अपनी प्रॉपर्टी और देनदारियों के बारे में चीफ जस्टिस को बताना होता है।

पारदर्शी एवं समानतामूलक होने के साथ आम आदमी के भरोसे वाली होनी चाहिए। इसके लिये भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए। भारतीयकरण के लिये ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जबावदेही आवश्यक मूल्य है।

सरकार की एक संसदीय समिति ने 2023 में सिफारिश की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कतितय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है। लेकिन सम्पत्ति की घोषणा के मामले में उन्हें अतिरिक्त सुविधा देना या उनके लिये अतिरिक्त सुविधा का होना, संदेह का कारण बनता रहा है। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्श भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है।

न्यायिक पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट के सभी 30 मौजूदा न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की है। यह घटनाक्रम न्यायपालिका में पारदर्शिता की कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद हुआ है, खासकर दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े विवाद के बाद। जिन न्यायाधीशों ने पहले ही अपनी घोषणाएं प्रस्तुत कर दी हैं, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। इसे फैसले को न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से सही एवं सामयिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो सुखद होने के साथ-साथ श्रेयस्कर न्याय-प्रक्रिया का द्योतक है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इस नवीनतम प्रस्ताव के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने का निर्णय लेकर जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत के अनेक पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि में न्यायाधीश अपनी संपत्तियों की घोषणा करते हैं। कई देशों में यह स्वैच्छिक है तो कुछ जगह अनिवार्य भी है।

न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम पड़ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो इससे जनता को उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा। अब तक का अनुभव बताता है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर भी जजों में संपत्ति को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति काफी कम है। मार्च 2025 तक, उच्च न्यायालयों के कुल 763 में से सिर्फ 49 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अभी इस दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। निर्वाचित प्रतिनिधियों और नौकरशाहों को अपनी संपत्ति का सार्वजनिक खुलासा करना कानूनन अनिवार्य किया जा चुका है। ऐसे में आम जनमानस में धारणा बनी रहती है कि न्यायपालिका के बाबत भी कोई ऐसी पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। यह प्रश्न न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और जबावदेही से भी जुड़ा है। यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। लेकिन अब स्वयं न्यायपालिका की तरफ से ऐसी व्यवस्था लागू करने का सराहनीय प्रयास होना सुखद ही कहा जायेगा।

न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता, प्रामाणिकता, निष्पक्षता व शुचिता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने न्याय के देवताओं को भी खरा उतरता देखना चाहती है। निस्संदेह इस तरह के फैसले का समाज में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की दृष्टि से दूरगामी प्रभाव भी होगा। इस दिशा में ऐसी किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का समाज में स्वागत ही होगा। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीद की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है। वह न्यायाधीशों को न्याय, सत्य व सदाचारिता के प्रतीक के रूप में देखता है। वो न्याय देने वालों को न्याय की हर कसौटी पर खरा उतरता हुआ भी देखना चाहता है। यह न्याय की शुचिता की भी अनिवार्य शर्त है। जब एक अकेले व्यक्ति का जीवन भी मूल्यों एवं जीवन-मानकों के बिना नहीं बन सकता, तब एक न्याय-व्यवस्था मूल्यों, निष्पक्ष मानकों, पारदर्शिता एवं समानता के बिना कैसे शक्तिशाली एवं विश्वसनीय बन सकती है?

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

आओ कब्र खोदें

कई दिनों से झुन्नू लाल जी के घर से रात को निरंतर गैंती चलने की आवाज़ें आ रही थीं। ऐसा लगता था मानो वहां कोई बड़ी खुदाई का काम चल रहा हो। हर रात मेरी नींद टूट जाती और काफी देर तक करवटें बदलते हुए मैं सोचता रहता कि वहां चल क्या रहा है। मुझे झुन्नू लाल जी के घर से न तो किसी तरह की मरम्मत का काम चलने की खबर थी और न ही किसी नई निर्माण योजना का समाचार। महंगाई, बेरोजग़ारी और पिछले दस सालों से कम कमाई की मार झेलता हुआ मध्यम वर्ग राष्ट्रवाद और अपने स्वर्णिम इतिहास की अफीम चाट कर अभी भी गाढ़ी नींद में सो रहा था। पर निरंतर आने वाली आवाज़ों से उनींदे होने पर अक्सर मेरे लबों पर किशोर दा और लता मंगेशकर के हिंदी फिल्म आपकी क़सम में गाए गीत 'करवटें बदलते रहें सारी रात हम, आपकी क़सम' के बोल अनायास चलने लगते। मैं न जाने कितनी देर तक सोचता रहता कि उम्र के चौथे पड़ाव में रात को नींद टूट जाने के बाद मैं अपने महबूब की क़सम भी नहीं खा सकता। इस उम्र में बीवी से सिर्फ निबाह ही हो सकता है। मोहब्बत की गुंजाइश किसी राजनेता की ईमानदारी की तरह सात तालों में बंद हो जाती है। एक रात जब मुझसे नहीं रहा गया तो मैं यह सोचता हुआ झुन्नू जी के घर जा पहुंचा कि शायद अपने देश तथा ख़ानदान के गौरवमयी स्वर्णिम इतिहास की खोज और अनुसंधान के दौरान उनको किसी गुप्त खज़ाने का नक्शा मिल गया होगा या देश में हर साल दो करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने के कारण अपने घर में कोई नया निर्माण कार्य या मरम्मत करवाने के लिए दिन में मज़दूर नहीं मिल रहे होंगे तो रात में काम करवा रहे होंगे। यूं भी जिस देश का प्रधानमंत्री हर रोज़ अठारह या बीस घंटे काम करता हो वहां लोगों को ओवरटाईम काम करने की लत पड़ ही जाती है।

ओवरटाईमिंग की इसी लत के कारण देश का मज़दूर वर्ग

गऱीबी से ऊपर उठ कर मध्यम वर्ग में घुसपैठ कर चुका है और मध्यम वर्ग कुछ ही सालों में अडानी और अम्बानी को टक्कर देने लगेगा। हालांकि पिछले कुछ सालों से काम और बेहतर ज़िंदगी की तलाश में डंकी रूट के ज़रिए अमेरिका और यूरोप के देशों में अवैध घुसपैठ करने वाले भारतीय युवाओं की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री के लंगोटिये यार और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में अवैध भारतीय घुसपैठियों को हथकड़ी पहना कर सेना के विमान में भारत वापस भेजा था। जब मैंने दरवाज़ा खटखटाया तो पीप होल से झांकते हुए झुन्नू जी ने किवाड़ खोले। हर बार मेरे आगमन पर चहकने वाले झुन्नू जी इस बार थोड़ा परेशान दिखे। पूछने पर बोले, 'यार! मुझे इसी बात का डर था कि रात को घर से आ रही आवाज़ों के चलते कहीं पड़ोसी न आ धमकें। लेकिन तुम्हारे आने का अंदेशा सबसे ज़्यादा था। ख़ैर! आ ही गए हो तो बैठ कर बात करते हैं।' इतना कहते हुए उन्होंने प्लास्टिक की एक कुर्सी उस कमरे के पास खींच ली जहां खुदाई का काम चल रहा था। मैंने उनसे पूछा कि आपने काम के लिए जो मज़दूर रखे हैं, वे मेरे आते ही कहां ग़ायब हो गए। वह अपने होठों पर रहस्यमयी मुस्कान लाते हुए बोले, 'कुछ काम खुद ही करने होते हैं। मैंने कोई मज़दूर हायर नहीं किया। दरअसल मैं नहीं चाहता था कि किसी को इस खुदाई के बारे में पता चले। यह तुम थे तो मैंने दरवाज़ा खोल दिया। अगर कोई और होता तो दरवाज़ा नहीं खुलता।' उनके इस अपनत्व से भाव-विभोर होते हुए उनका धन्यवाद करते हुए मैंने पूछा कि क्या खुदाई की कोई ख़ास परियोजना है, हड़प्पा या मोहनजोदड़ो की तरह।' वह उसी तरह अपने होठों पर रहस्यमयी मुस्कान बिखेरते हुए बोले, 'यह उससे भी बड़ा काम है। अगर यह पूरा हो गया तो मुझे भारत रत्न या बड़ा संवैधानिक ओहदा मिलना तय है।

-पीए सिद्धार्थ
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

चैत्र शुक्ल पक्ष द्वादशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भावुकता पर थोड़ा काबू रखें। प्रेम में तू-तू मैं-मैं से बचें। स्वास्थ्य ठीक ठाक। प्रेम, संतान मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
ग्रह कलह से बचें। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी का योग बनेगा। स्वास्थ्य मध्यम।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
कर्क राशि की स्थिति ठीक है। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान का साथ है। व्यापार भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। पहले से स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मन अशांत रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगा। व्यापारिक उत्थान होगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भाग्य साथ देगा। कार्यों की विघ्न बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी। आनंदित जीवन गुजारेंगे।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। सरकारी तंत्र का लाभ होगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान मध्यम।

मंत्री ने किया सफल यात्रा प्रदर्शनी का अवलोकन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी 45 वें स्थापना दिवस पर भाजपा जिला कार्यालय गौतमबुधनगर नियर तिलपता गोलचक्कर पर प्रदेश के लोक निर्माण कैबिनेट मंत्री (ज़िला प्रभारी मंत्री) कुँवर बृजेश सिंह ने पहुँचकर भारतीय जनता पार्टी के उदय स्थापना छह अप्रैल 1980 से अबतक के ऐतिहासिक भाजपा की सफल यात्रा प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

असली अवलोकन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री कुँवर बृजेश सिंह ने कहा भाजपा का राष्ट्रवादी गौरवशाली इतिहास की झलकियाँ इस प्रदर्शनी के द्वारा पूरे देश में भाजपा जिला कार्यालयों पर प्रदर्शित की जा रही है इनमें डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय एकात्मवाद दर्शन गाथा भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार द्वारा पोखरण परमाणु विस्फोट कर दुनिया में देश का गौरव कारगिल युद्ध का विजय की चित्रावली मोदी जी के कार्यकाल में मज़बूत सशक्त भारत आत्मनिर्भर भारत के साथ ऐतिहासिक राम मंदिर अनुच्छेद 370 सीएए तीनतलाक़ आदि प्रमुख बातों की महाकुंभ का सफल आयोजन प्रमुखरूप से प्रदर्शनी में रहे और उन्होंने कहा आज देश में मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़रहा है और प्रदेश मान्य योगी जी के नेतृत्व में सुशासन सेवा समर्पण भाव से सभी वर्गों के कार्य कर विकास कार्य कर रही है जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि इस चित्रावली प्रदर्शनी से भाजपा के संघर्षों और देश हित के ऐतिहासिक विषयों के विषय में कार्यकर्ताओं को पता रहे हमारी पार्टी की विचारधारा राष्ट्रवादी विचारधारा है हमारे लिये राष्ट्र सर्वोपरि हैं उसके लिये ही भाजपा कार्यकर्ता कार्य करता है।

इस अवसर पर मुख्यरूप से जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज धर्मेन्द्र कोरी जिला उपाध्यक्ष पवन रावल जिला मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य सांसद प्रतिनिधि बलराज भाटी जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी इंदर नागर वीरेन्द्र भाटी युवा मोर्चा अध्यक्ष राज नागर अरुण प्रधान रवि जिन्दल कपिल गुर्ज़र विजय रावल अर्पित तिवारी मनोज प्पाटी चेतन वशिष्ठ महेश शर्मा मुकेश चौहान महेंद्र नागर मुकेश दीक्षित चन्द्रवीर नागर अमन कौशिक नीतीश भाटी पंकज रावल सतीश गुलिया बीना शुक्ला उषा वत्स आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी

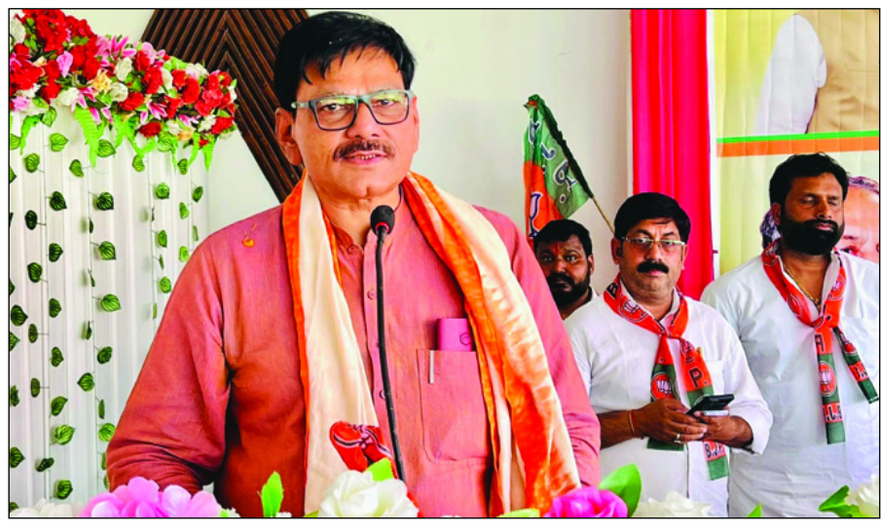

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर विधानसभा के कस्बा रबूपुरा में स्थित पंडित देवीसरन फार्म हाउस में 'सक्रिय सदस्य सम्मेलन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके साथ उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर और नोएडा विधानसभा की पूर्व विधायक श्रीमति विमला बाथम भी मौजूद रही।

इस मौके पर जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि भगवान श्रीराम का मंदिर, जिसके लिए लगभग 500 साल संघर्ष करना पड़ा, आज वह अयोध्या में स्थापित हो चुका है। देश और दुनिया के पर्यटक, जिस तरीके से भारतीय संस्कृति में अपनी रुचि दिखा रहे हैं, वह सब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजनरी नेतृत्व में ही संभव हो पाया है। यह हमारी खुशनसीबी है कि हम दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के सदस्य हैं। 2017 से पहले इस क्षेत्र के विकास के लिए किसी भी राजनीतिक पार्टी ने मुड़कर नहीं देखा, लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार के बनने के बाद ही यह क्षेत्र तरक्की के मार्ग पर प्रशस्त है और आज जेवर, दुनिया का सबसे विकसित क्षेत्र बनाकर उभरा है।

जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने आगे कहा कि अटल बिहारी वाजपेई और लालकृष्ण आडवाणी जी के रूप में हमें एक ऐसा नेतृत्व मिला, जिनके कृतित्व और व्यक्तित्व को यह देश कभी भुला नहीं सकता। करोड़ों कार्यकर्ताओं की मेहनत और लग्न से आज भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है।

जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने अंत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार गरीबों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। जेवर, जो 2017 से पहले कहीं अंधकार में विलीन हो गया था, आज वह जेवर विकास की नई बुलंदियों को छू रहा है। 2017 से पहले उद्योगपति यहां आने से डरते थे, लेकिन आज उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की चर्चा देश में ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में हो रही है। आज आतंकवाद का सफाया हो रहा है।

इस मौके पर नोएडा की पूर्व विधायक श्रीमती विमला बाथम ने भी उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश में सुशासन का राज है। बहन बेटियां सुरक्षित है। गुंडे माफियाओं को अपने स्थान पर पहुंचा दिया गया है। केंद्र की मोदी सरकार सभी लाभार्थियों को सभी योजनाओं का लाभ उपलब्ध करा रही है।

पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है और यह सब आप जैसे कार्यकर्ताओं की मेहनत और लगन से ही संभव हो पाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को सांस्कृतिक रूप से भी मजबूत करने का काम कर रहे हैं।

प्राचीन बाराही मेला की शुरूआत कल से, तैयारी पूरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर में सैकडों वर्षो से ऐतिहासिक गौरवपूर्ण परंपरागत अपनी भारतीय सभ्यता एंव संस्कृति को सजोए हुए ऐतिहासिक बाराही मेला-2025, नई उमंग के साथ ग्रामीण परिवेश में तैयार है। 10 से 22 अप्रैल तक प्राचीनकालीन ऐतिहासिक बाराही मेला-2025 आयोजित किया जा रहा है। ऐतिहासिक बाराही मेला-2025 की तैयारियों की कडी में प्राचीनकालीन बाराही मेला प्रांगण सूरजपुर पर एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया है।

सूरजपुर में प्राचीनकालीन ऐतिहासिक बाराही मेला.-2025 का आयोजन करने वाली शिव मंदिर सेवा समिति(पजी0) के अध्यक्ष चौधरी धर्मपाल भाटी प्रधान ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि सूरजपुर में वर्षो से लगता चला आ रहा प्राचीनकालीन ऐतिहासिक बाराही मेला-2025, इस बार फिर 10 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। इस वर्ष. प्राचीनकालीन बाराही मेला.-2025, 10 अप्रैल से लेकर 22 अप्रैल-2025 तक आयोजित किया जाएगा।

ग्रामीण जन जीवन पर आधरित दैनिक उपयोग की वस्तुएं जैसे सबसे बडी खाट यानी चारपाई, हुक्का, पीढा, रई, आटा चक्की हाथ वाली, बैलगाडी आदि यहां की चौपाल पर खासा आकर्षण का केंद्र होंगी। इसके अलावा लोक गायन के कला रूप में रागनी और राजस्थानी लोक कला, गीत संगीत और नृत्य भी प्रस्तुति होगी। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक बाराही मेले के अंतिम दिन 22 अप्रैल-2025 को दोपहर 2.30 बजे से 101 रूपये से लेकर 101000/- रूपये तक के दंगल में दूर दूर से आकर पहलवान अपनी मल्ल कला का प्रदर्शन करेंगे। यह दंगल प्रति वर्ष की भांति इस बार भी स्व0 जयपाल भगती जी की स्मृति में उनके पुत्रों स्व श्रीचंद भाटी, सतवीर भाटी और राजवीर भगतजी के द्वारा आयोजित किया जाएगा।

शिव मंदिर सेवा समिति (पजी0) के महामंत्री ओमवीर बैंसला ने बताया कि सूरजपुर में हर वर्ष लगने वाला ऐतिहासिक बाराही मेला.-2025, इस बार पुन:12 दिन तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार भी मेले में स्कूलों के बच्चों के द्वारा गीत संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे और रागनियों की श्रंखला चलेगी। साथ ही मौत का कुआ, सर्कस,झूले, जादूगर शो, कठपुतली,नटकला आदि खेल तमाशे लोगां का मनोरंजन करेंगे। उन्होंने कहा कि मेले में खानपान व अन्य सामान के लिए भी लगभग 200 स्टाल लगाए गए है। जहां से महिलाएं भी अपनी जरूरत के सामान की खरीद्दारी कर सकती हैं। शिव मंदिर सेवा समिति के कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल ने

कहा कि बाराही मेले में आने वाले दर्शकों के लिए पार्किंग की व्यवस्था पूर्व भांति की गई है, जहां लोग अपने वाहन पार्क कर मेले का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके साथ ही बाराही मेले में प्रवेश के लिए दो मुख्य प्रवेश द्वार होंगे जिनमें एक कसबे के अंदर से आता है। नोएडा दादरी रोड से बर्फ खाना के पास से प्रवेश कर मेला स्थल तक पहुंचा जा सकता है। जब कि दूसरा मुख्य प्रवेश द्वार सूरजपुर पुलिस चौकी और देवला के बीच नोएडा दादरी रोड पर है, जहां से लोग अपने वाहनों द्वारा पार्किंग स्थल पर पहुंच कर मेला स्थल पर प्रवेश पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही किसी भी तरह की समस्या होने पर मेला समिति अथवा वॉल्येंटरों से संपर्क किया जा सकता है।

पत्रकार वार्ता में बाराही मेला समिति संरक्षक डा0 धनीराम देवधर, चौ0 ब्रजपाल भाटी, महेंद्र सिंघल, चौ0 शाहमल, टेकचंद प्रधान, चौ0 राजू प्रधान, महेंद्र आर्य, सतवीर सिंह ठेकेदार, राजवीर भगत जी, बिजेंद्र सिंह आर्य, शिवदत्त आर्य, भूदेव शर्मा, भोपाल ठेकेदार, राजपाल खटाना, मेला अध्यक्ष चौधरी धर्मपाल भाटी प्रधान, महासचिव ओमवीर बैंसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिजेंद्र ठेकेदार, उपाध्यक्ष चौ0 जगदीश भाटी एडवोकेट, सुनील देवधर, चौ0 विनोद कौंडली, अनिल भाटी, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा, सचिव विनोद भाटी, प्रचार मंत्री पवन जिंदल, संगठन मंत्री चौ0 ज्ञानेंद्र देवधर, उपकोषाध्यक्ष योगेश अग्रवाल, सह मीडिया प्रभारी सुभाष शर्मा, राजवीर शर्मा, लीलू भगत, उप प्रचार मंत्री हरिकिशन, व्यवस्थापक चौ0 रवि भाटी आदि मौजूद थे।

विवादित भूखंड पर खुला शराब का ठेका, चुप्पी साधे है वर्क सर्किल-1 के अधिकारी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-5 हरौला बारातघर के बगल में नोएडा प्राधिकरण की अदालत में विचाराधीन जमीन पर शराब का ठेका खोल दिया गया है। इस ठेके को लेकर आबकारी विभाग तथा नोएडा प्राधिकरण एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हैं।

बता दें कि बारातघर के बगल में खाली पड़ी जमीन पर अनुज्ञापी शशांक गुप्ता ने बीयर तथा अंग्रेजी शराब का ठेका खोल दिया है। इस बाबत प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि ठेका खोलने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने कोई अनुमति व एनओसी जारी नहीं की है। कुछ दिन पूर्व प्राधिकरण के प्रबंधक अजय यादव व जेई आदि ने मौके पर पहुंचकर ठेका बंद करा दिया था, लेकिन शाम होते ही फिर ठेका खुल गया।

प्राधिकरण के जेई निर्दोष भाटी ने चंद दिन पूर्व स्वयं स्वीकार किया था कि यह जमीन विवादित है तथा अदालत में मामला चल रहा है। प्राधिकरण ने शराब के ठेके के लिए किसी तरह की कोई एनओसी व अनुमति प्रदान नहीं की।

उधर आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर गौरव कुमार का कहना है कि यदि यह अवैध है तो प्राधिकरण इस पर अपनी कोई आपत्ति क्यों नहीं दर्ज करवा रहा है। प्राधिकरण की आपत्ति आने पर अनुज्ञापी को ठेका अन्यत्र शिफ्ट का नोटिस जारी किया जाएगा।

इधर कुछ सूत्र बताते हैं कि इस मामले में वर्क सर्किल-1 के कुछ अधिकारियों से मोटी डील हुई है। इसलिए नोएडा प्राधिकरण इस ठेके को हटाने की कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। इस बाबत वर्क सर्किल-1 के प्रभारी डोरी लाल वर्मा व प्रबंधक अजय यादव से कई बार फोन करके नोएडा प्राधिकरण का पक्ष जानने का प्रयास किया गया पर उन्होंने फोन नहीं उठाया। लोगों का कहना है कि इस मामले ने नोएडा प्राधिकरण में चल रहे गोरखधंधे की पोल खोल दी है।

पृष्ठ एक के शेष....

भारत अब रुकेगा...

ध्यान, साधना और आत्मशुद्धि का मंत्र है। हम जानते हैं कि जीवन के 9 तत्व हैं। ये 9 तत्व जीवन को पूर्णता की ओर ले जाते हैं। इसलिए हमारी संस्कृति में नव का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र कहता है कि स्वयं पर विश्वास करो, स्वयं की यात्रा शुरू करो, दुश्मन बाहर नहीं है, दुश्मन भीतर है। नकारात्मक सोच, अविश्वास, वैमनस्य, स्वार्थ ही वो शत्रु हैं, जिन्हें जीतना ही असली विजय है। यही कारण है कि जैन धर्म हमें बाहरी दुनिया नहीं, बल्कि खुद को जीतने की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत अपनी संस्कृति पर करेगा। इसलिए हम अपने तीर्थंकरों की शिक्षाओं को सहेजते हैं। जब भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव का समय आया तो हमने देश भर में उसे मनाया। आज जब प्राचीन मूर्तियां विदेश से वापस आती हैं, तो उसमें हमारे तीर्थंकर की प्रतिमाएं भी लौटती हैं। आपको जानकर गर्व होगा कि बीते वर्षों में 20 से ज्यादा तीर्थंकरों की मूर्तियां विदेश से वापस आई हैं।

'नवकार महामंत्र' हम ...

माध्यम बनते हैं। हजारों वर्षों की विरासत के साथ जुड़ते हुए 'नवकार महामंत्र' आज भी हम सभी के लिए एक नई प्रेरणा बना हुआ है।

रेपो रेट में कटौती...

और इसके बाद Repo Rate 6 फीसदी पर आ गया है। साल 2025 में ये लगातार दूसरी बार है जब केंद्रीय बैंक ने बड़ी राहत दी है। इससे पहले फरवरी में हुई बैठक में रेपो रेट 0.25 फीसदी घटाया गया था, जिसके बाद ये कम होकर 6.25 फीसदी पर आ गया था। बता दें कि ये कटौती पांच साल के लंबे अंतराल के बाद की गई थी।

RBI MPC के बैठक में रेपो रेट कट पर लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए, गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि नए कारोबारी साल 2026 की शुरुआत चुनौतियों के साथ हुई है, लेकिन पिछले कारोबारी साल के पहली छमाही में सुस्ती के बाद भारत की अर्थव्यवस्था लगातार ग्रोथ कर रही है। उन्होंने टैरिफ को लेकर चिंता जाहिर की और कहा कि High Tariff से नेट एक्सपोर्ट गतिविधियों पर निगेटिव प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बारे में बताते हुए कहा कि MSF रेट 6.5 प्रतिशत से घटकर 6.25 प्रतिशत पर आ गया है। SDF रेट 6 प्रतिशत से घटाकर 5.75 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने पॉलिसी रुख को Neutral से Accomodative किया है। आरबीआई गवर्नर ने भारत की जीडीपी ग्रोथ को लेकर कहा कि इस साल India GDP Growth पहली और दूसरी तिमाही में 6.5 फीसदी पर रहने का अनुमान है। वहीं तीसरी तिमाही में इसके 6.6 फीसदी, जबकि चौथी तिमाही में 6.3 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है. इसके साथ ही महंगाई दर (Inflation Rate) के 4 फीसदी के दायरे रहने की उम्मीद जाहिर की गई है. उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में आई गिरावट से फायदा होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत में इन्वेस्टमेंट एक्टिविटीज में तेजी आई है, इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी सुधार के संकेत मिले हैं।

सेंसेक्स निफ्टी...

इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी जोरदार गिरावट आई और NSE Nifty अपने पिछले बंद 22,535.85 के लेवल से फिसलकर 22,460.30 पर खुला और कुछ ही देर में ये भी सेंसेक्स के कदम से कदम मिलाकर चलते हुए 22,357 तक फिसल गया।

पांच किलो गांजे...

पकड़े गए तस्कर ने अपना नाम नसीम पुत्र अल्लाह बख्श निवासी ग्राम दोला थाना दनकौर जनपद गौतमबुद्धनगर बताया। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह काफी समय से गांजा तस्करी में संलिप्त है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह गांजा कहां से लाकर कहां सप्लाई करता है।

दीवार बनाने को लेकर...

मामचंद ने उन्हें धमकी दी कि यदि उसने पुलिस में शिकायत की तो इससे भी बुरा अंजाम होगा। वही दूसरे पक्ष के तरफ से श्रीमती सुरेश ने मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि रविंद्र, विजय, रतन, सतेंद्र, मनीष, विपिन, रोहित, सचिन सहित अन्य लोग एक राय होकर सरकारी रास्ते पर जेसीबी चलवा कर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। इस रास्ते पर उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश भी दिया हुआ है। कब्जा करने का विरोध करने पर दबंगों ने लाठी डंडों से उन पर हमला कर दिया और उसके कपड़े फाड़ कर गंदी-गंदी गालियां दी। मारपीट में कई लोगों को चोट आई हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

बच्चों को डराकर...

लेकर फरार हो गया। शाम के समय घर आने पर उन्हें इस घटना की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने घर के बाहर गली में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज निकलवाई तो पता चला कि उक्त व्यक्ति उनके घर में 4 बजे दाखिल हुआ और 4:17 पर वहां से चला गया। जालसाज ने महज 15 मिनट में लाखों रुपए के जेवरात व नगदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित ने जालसाज की फोटो भी पुलिस को उपलब्ध कराई है। पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

टप्पेबाज गिरोह के साथ...

से टकरा गई और उस पर सवार दोनों व्यक्ति गिर गए। खुद को घिरा देखकर दोनों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी जिसके बाद पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम साजिद अली उर्फ सिकंदर पुत्र हैदर अली व मोहम्मद अली उर्फ फरहान पुत्र अली हैदर बताया। पुलिस टीम ने उनके दो अन्य फरार साथी नासिर व राजा अली को कांबिंग के दौरान दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों के पास से सोने के चार कड़े, सोने की चेन, नकली गहने, दो तमंचे, कारतूस, चाकू व चोरी की दो बाइक बरामद हुई। पूछताछ के दौरान पता चला कि चारों बदमाश राह चलती महिलाओं को अपनी बातों में उलझा कर धोखाधड़ी कर उनके असली सोने के जेवरात उतरवा कर नकली गहने देकर फरार हो जाते थे। इसके अलावा ये लोग राह चलती महिलाओं से झपटमारी कर चेन छीनने की वारदातों को भी अंजाम देते थे। पकड़े गए चारों बदमाश जगह बदलकर विभिन्न राज्यों में टप्पेबाजी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस इनके आपराधिक इतिहास का पता लगाने में जुटी हुई है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

नौएडा
नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, (उ.प्र.)
वैबसाइट: www.noidaauthorityonline.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

UPLC लखनऊ में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से निम्न जॉब संख्याओं हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं, जिन्हें निम्नानुसार तिथियों तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गई तिथियों पर खोला जायेगा। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्तें नौएडा प्राधिकरण की वेबसाईट **www.noidaauthorityonline.in** एवं UPLC की वेबसाईट **http://etender.up.nic.in** पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाईट देखते रहें।

(क)

1. **58/म०प्र०(वि0/यॉ०)/(वि०यॉ०)-3/2024-25,** मुख्य प्रशासनिक भवन में फायर सिस्टम के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य। लागत रु0 14.66 लाख।
2. **59/म०प्र०(वि0/यॉ०)/व०प्र०(वि०/यॉ०)-3/2024-25,** सैक्टर-33, 34, 35, 52, 53, 61 एवं सम्बन्धित रोडों पर स्ट्रीट लाईट हेतु लगे 63 केवीए ट्रान्सफार्मर के वाप्रिक अनुरक्षण का कार्य। लागत रु0 27.83 लाख।

जिन्हें दिनांक: **22.04.2025 को सांय 5.00 बजे** तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक: **23.04.2025 को प्रातः 11.00 बजे** खोली जायेगी।

कार्यालय सैक्टर-5 महाप्रबन्धक (वि0/यॉ0), नौएडा
स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लॉट संख्या-1, नॉलेज पार्क-IV, ग्रेटर नौएडा सिटी, गौतमबुद्ध नगर-201308, उ.प्र.
वैबसाइट: www.greaternoidaauthority.in, ई-मेल: authority@gnida.in
पत्रांक: वरि.प्र./(ई-निविदा सेल)/2025/594 दिनांक: 07.04.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

महाप्रबन्धक (अभियन्त्रण) ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ग्रेटर नौएडा की ओर से ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-वरि. प्र./(ई-निविदा सेल)/2025/593 दिनांक 07.04.2025 के माध्यम से उल्लेखित क्रम संख्या 01 से 07 तक के कार्य की ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है। समस्त नियम व शर्तें ग्रेटर नौएडा प्राधिकरण की वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.in पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाईटें देखते रहें।

क्र.सं.	कार्य का नाम/वर्क सर्किल	अनुमानित लागत
निर्माण कार्य		
1.	ग्रेटर नौएडा के सैक्टर ईकोटेक-7 की 45 मीटर चौड़ी आंतरिक सड़क का रिसर्फेसिंग का कार्य। (वर्क सर्किल-7)	रु. 277.07 लाख
2.	ग्रेटर नौएडा के सैक्टर के.पी.-3 में एल.जी. रोटरी से शारदा रोटरी तक 60 मीटर चौड़ी सड़क की सर्विस रोड़ (दोनों तरफ) का निर्माण कार्य। (वर्क सर्किल-4)	रु. 470.05 लाख
3.	ग्रेटर नौएडा के सैक्टर के.पी.-3 में एल.जी. रोटरी से शारदा रोटरी तक 60 मीटर चौड़ी सड़क के साथ-साथ आर.सी.सी. नाले (एल.एच.एस.) का निर्माण कार्य। (वर्क सर्किल-4)	रु. 668.62 लाख
4.	ग्रेटर नौएडा के सैक्टर के.पी.-3 में एल.जी. रोटरी से शारदा रोटरी तक 60 मीटर चौड़ी सड़क के साथ-साथ आर.सी.सी. नाले (आर.एच.एस.) का निर्माण कार्य। (वर्क सर्किल-4)	रु. 689.12 लाख
5.	ग्रेटर नौएडा के सैक्टर के.पी.-3 में एल.जी. रोटरी से शारदा रोटरी तक 60 मीटर चौड़ी सड़क का चौड़ीकरण रिसर्फेसिंग और प्रोटेक्शन वॉल निर्माण का कार्य। (वर्क सर्किल-4)	रु. 718.79 लाख
विद्युतीकरण का कार्य		
6.	ग्रेटर नौएडा के गौर चौक (वैस्ट) पर भूमिगत मार्ग के निर्माण कार्य के दृष्टिगत 33 के.वी. एवं 11 के.वी. लाईन की शिफ्टिंग का कार्य। (वर्क सर्किल-ईएण्डएम-2)	रु. 763.39 लाख
7.	ग्रेटर नौएडा में सैक्टर-गामा-1 एवं 2 डेल्टा-1 एवं 2 के सामुदायिक भवन के आन्तरिक विद्युतीकरण का निर्माण कार्य। (वर्क सर्किल-ईएण्डएम-3)	रु. 15.75 लाख

क्रम सं.-01 से 6 तक के कार्यों को दिनांक-09.04.2025 से 22.04.2025 को 5:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक 24.04.2025 को 11:00 बजे खोली जाएगी एवं क्रम सं.-7, पर अंकित कार्यों को दिनांक-09.04.2025 से 21.04.2025 को 5:00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक 23.04.2025 को 11:00 बजे खोली जाएगी

वरिष्ठ प्रबंधक (ई-निविदा सेल)
Follow Us On / OfficialGNIDA

खास खबर

भारत वायु सेना के लिए फ्रांस से तीन साल के पट्टे पर लेगा मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट विमान

वायुसेना की हवा में ईंधन भरने की क्षमता होगी मजबूत

- रक्षा मंत्रालय की मंजूरी, इसी वित्तीय वर्ष के दौरान सौदे को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने वायुसेना के लिए फ्रांस से एक एयरबस ए-330 मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट विमान तीन साल के पट्टे पर लेने का फैसला लिया है, जिसकी मंजूरी रक्षा मंत्रालय ने दे दी है। इसका उद्देश्य वायुसेना की हवा में ईंधन भरने की क्षमताओं को मजबूत करना है। फिलहाल भारत के पास छह इल्यूशिन आईएल-78 विमान हैं, जिनका इस्तेमाल हवा में ईंधन भरने के लिए किया जा रहा है, लेकिन लड़ाकू बेड़े की क्षमता को देखते हुए इनकी कमी महसूस की जा रही है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार भारतीय वायुसेना के लिए फ्रांस से एक एयरबस ए-330 मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट (एमआरटीटी) विमान को पट्टे पर लेने की मंजूरी दे दी है। तीन साल के पट्टे से वायुसेना के कर्मियों को इस फ्रांसीसी परिवहन विमान पर परिचालन अनुभव हासिल करने का मौका मिलेगा। हालांकि, विमान के भारत आने की सही तारीख का अभी खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इस सौदे को 2025-2026 वित्तीय वर्ष के दौरान अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। यह समझौता सरकार-से-सरकार के बीच होगा, जिसमें फ्रांसीसी उड़ान चालक दल और रखरखाव की सहायता भी शामिल होगी। केंद्र सरकार का यह फैसला भारतीय वायुसेना के टैंकर बेड़े को आधुनिक बनाने के लगभग एक दशक के प्रयासों के बाद आया है। ए-330 मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट को पहले 2009 और 2013 में दो अलग-अलग खरीद प्रयासों में पसंदीदा विकल्प के रूप में चुना गया था। दोनों प्रस्तावों को बाद में उच्च प्रारंभिक लागतों के कारण रक्षा मंत्रालय के वित्त विभाग ने रद्द कर दिया था। अब फिर वायु सेना ने छह विमान हासिल करने की योजना बनाई है। एयरबसए-330 मल्टी रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट नागरिक एयरबस ए-330 पर आधारित एक यूरोपीय हवाई ईंधन भरने वाला और सैन्य परिवहन विमान है। अब तक कुल 15 देशों ने लगभग 82 विमानों के लिए ऑर्डर दिए हैं, जिनमें से 63 विमान इस साल 28 फरवरी तक आपूर्ति किए जा चुके हैं। इसे दोहरी भूमिका वाले एयर-टू-एयर ईंधन भरने और परिवहन विमान के रूप में डिजाइन किया गया है। इसे एयर-टू-एयर ईंधन भरने के लिएकिसी भी सिस्टम से लैस किया जा सकता है।

नेपाल में आज होगी बिम्सटेक की बैठक
केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह होंगे शामिल

- बिम्सटेक की बैठक में भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका और थाईलैंड के कृषि मंत्री लेंगे भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) कृषि मंत्रियों की तीसरी बैठक 9 अप्रैल को नेपाल में होगी। इसमें भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका और थाईलैंड के कृषि मंत्रियों की भागीदारी होगी। इसमें शामिल होने वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक का उद्देश्य बिम्सटेक देशों के बीच चल रहे कृषि सहयोग को और मजबूत करना है। मंगलवार को कृषि मंत्रालय ने उक्त जानकारी दी है। कृषि मंत्रालय के अनुसार विभिन्न सत्रों के दौरान भारत सहित अन्य सदस्य देशों के कृषि मंत्री, कृषि क्षेत्र में चल रहे सहयोगात्मक कार्यों की समीक्षा करेंगे। साथ ही इन सदस्य देशों के क्षेत्र के करोड़ों किसानों को लाभान्वित करने के लिए नई और अभिनव तकनीकों को बढ़ावा देने तथा अपनी-अपनी सफलता की कहानियों के आदान-प्रदान के लिए आगे के दिशा-निर्देश निर्धारित करेंगे।

भाजपा 14 से शुरू करेगी डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान

- साल के आखिर में नई दिल्ली में संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 14 से 25 अप्रैल तक बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर स्वाभिमान अभियान चलाएगी। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को एक राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को अभियान के दौरान जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने केन्द्रीय भाजपा कार्यालय में आयोजित संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान की राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी देशभर में 14 अप्रैल से 25 अप्रैल तक विभिन्न आयोजन कर बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएगी। बाबा साहेब ने संविधान निर्माण को साकार करने के साथ देश के सर्वांगीण विकास और करोड़ों लोगों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त किया है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने बाबा साहेब से जुड़े स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित करने का अभूतपूर्व काम किया है। उनके सिद्धांतों पर चलते हुए आज भाजपा विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि कार्य में लगी है। हर वर्ग का विकास और सामाजिक समरसता हमारा ध्येय है। देश के निर्माण में बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय है। कार्यशाला में केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने अभियान के संबंध में पार्टी कार्यकताओं कोजरूरी निर्देश दिए। कायार्शाला के बाद जेपी नड्डा ने एक्स पर भी एक पोस्ट कर इस अभियान के बारे में जानकारी साझा की। उल्लेखनीय है कि भाजपा इस अभियान को एक बड़े जनसंपर्क कार्यक्रम के रूप में चलाएगी। जिसके जरिए अनुसूचित जाति समुदाय के बीच भाजपा अपनी पहुंच को और मजबूत करना चाहती है। पार्टी का उद्देश्य बाबा साहेब आंबेडकर के सामाजिक समानता और न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। यह समाज के कमजोर वर्गों तक पार्ट की नीतियों और विचारों को ले जाने का प्रयास भी होगा।

कार-टैंकर की टक्कर में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

एजेंसी

मुंबई। वर्धा जिले में समुद्रपुर-वर्धा रोड पर तारोडा के पास बीती रात कार-टैंकर की टक्कर में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई।दो लोगों की मौत मौके पर ही हुई, जबकि दो लोगों ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस के अनुसार वर्धा में वडनेर पुलिस स्टेशन में पुलिस निरीक्षक पद पर तैनात प्रशांत मधुकर वैद्य छुट्टी पर अपने गांव तारोड़ा गांव आए थे।सोमवार को देर रात प्रशांत अपनी पत्नी बेटे और बेटी के साथ तारोडा से वर्धा जा रहे थे। अचानक सोमवार को रात करीब एक बजे तारोडा में ही अचानक उनकी कार के सामने एक सूअर आ गया, जिससे उनकी कार का नियंत्रण बिगड़ गया और कार एक टैंकर से टकरा गई। इस दुर्घटना में प्रियंका प्रशांत वैद्य (37) और प्रियांश प्रशांत वैद्य (8) की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल माही प्रशांत वैद्य (3) को इलाज के लिए सेवाग्राम अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन मंगलवार को सुबह इलाज के दौरान माही की मौत हो गई। इसी घटना में गंभीर रूप से घायल प्रशांत मधुकर वैद्य (43) को नागपुर के एम्स में भर्ती करवाया गया था, लेकिन इलाज के दौरान आज प्रशांत वैद्य की भी मौत हो गई।

10 रक्तवीरों ने रक्तदान कर समाज को दिखाई दिशा

एजेंसी

मिर्जापुर। रक्त केंद्र मंडलीय चिकित्सालय की सीसीटीवी की टीम ने राजकीय पॉलिटेक्निक मीरजापुर के प्रांगण में रक्तदान जागरुकता गोष्ठी तथा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत कालेज के कर्मचारियों एवं छात्रों ने हिस्सेदारी किया। रक्तदान के दौरान 17 लोगों नें पंजीयन कराया और जांच के पश्चात 10 रक्तवीरों ने रक्तदान किया।जन सम्पर्क आधिकारी राम कुमार गुप्ता ने सभी लोगों को रक्तदान के फायदे बताए तथा रक्तदान से संबंधित भ्रांतियों को दूर किया। ब्लड कलेक्शन एंड ट्रांसपोर्ट वैन की टीम में काउन्सलर माला सिंह, एलटी अमित पटेल प्रदीप राजभर प्रवेश राजभर आदि ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने में सहयोग किया।रक्तदान करने वालों में श्रेष्ठ त्रिपाठी, घनश्याम सिंह, आदर्श पांडेय, निखिल द्विवेदी, आयुष सिंह, अर्पित सिंह, शिवम गुप्ता,मयंक त्रिपाठी, केशव सिंह, दिलीप गुप्ता सम्मिलित रहें।

जिलाधिकारी ने खाद्य, सुरक्षा विभाग के कार्य प्रगति की समीक्षा कर ली जानकारी

एजेंसी

मिर्जापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आहूत की गई। बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य)-।। द्वारा बताया गया कि वर्तमान वित्तीय सत्र में अब तक खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा 1470 दुकानो का निरीक्षण कर 366 विधिक एवं 416 सर्वे नमूने संग्रहित कर खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया गया। जिसमें विधिक नमूने के 294 रिपोर्ट तथा सर्वे नमूने के 367 रिपोर्ट प्राप्त हुआ। जिसमें 179 नमूने मानक के विपरीत पाये गये। इनके विरूद्ध न्यायालय में वाद दायर किया गया। इस सत्र में अब तक कुल 267 दुकानदारो के उपर 8742000.00 रू0 का जुर्माना लगाया जा चुका है। जिलाधिकारी द्वारा कृत कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया गया एवं दूध, घी, खोया, मिठाई तथा आगामी ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत सडे गले फल आइसक्रिम, जूस व अन्य खाद्य पदार्थो में मिलावटखोरी को रोकने हेतु प्रभावी निरीक्षण व छापेमारी करने हेतु निर्देशित किया गया।

आडिटोरियम के निर्माण के लिए कैबिनेट मंत्री ने जिला प्रशासन से मांगा प्रस्ताव

एजेंसी

मिर्जापुर। जनपद मीरजापुर के कला प्रेमियो व साहित्यकारो के लिए अच्छी खबर है कि जपनद में प्रेक्षागृह के निर्माण हेतु प्रदेश के मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले आशीष पटेल ने जिला प्रशासन से 1500 क्षमता का एक प्रेक्षागृह के निर्माण हेतु जमीन चिन्हित कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। कैबिनेट मंत्री के इस पहल पर जनपद के साहित्यकारो, कला प्रेमियो व कजली गायको में खुशी की लहर हैं। प्रेक्षागृह निर्माण की काफी दिनो से जनपद में मांग की जा रही थी, जिसकी महत्वा को कैबिनेट मंत्री

द्वारा समझा गया और उसके लिए प्रस्ताव मांगा गया जिसकी लोगो के द्वारा सराहना की जा रही हैं। प्राविधक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले मंत्री आशीष पटेल द्वारा अपने जनपद भ्रमण के दौरान कल सोमवार को राजकीय इंजीनियरिंग कालेज व पालीटेक्निक बथुआ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान धीमी कार्य प्रगति पर नाराजगी जताते हुए मजदूरो की संख्या को बढ़ाते हुए कार्य में प्रगति लाने का निर्देश भी दिया गया।

रेल प्रशासन करेगी ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचालन

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के जन संपर्क अधिकारी (पीआरओ) अमित कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया है कि भारतीय रेलवे के विभिन्न ट्रेनें के संचालन में परीवर्तन इस तरह किया गया है।- गाड़ी संख्या 09205/09206 पोरबंदर-आसनसोल-पोरबंदर विशेष गाड़ी (ट्रेन ऑन डिमांड) का संचालन दो फेरे हेतु किया जा रहा है, उक्त गाड़ी का सञ्चालन 01 प्रथम एसी, 02 द्वितीय एसी, 06 तृतीय ऐसी, 09 स्लीपर क्लास, 02 सामान्य कोच सहित कल 23 आईसीएफ कोच के साथ किया जायेगा।- गाड़ी संख्या 09205 पोरबंदर से दिनांक 10.04.2025 तथा 17.04.2025 को संचालित की जाएगी तथा गाड़ी संख्या 09206 आसनसोल से दिनांक 12.04.2025 तथा 19.04.2025 को संचालित की जाएगी। गाड़ी संख्या 09205 दिनांक 10.04.2025 तथा 17.04.2025 को पोरबंदर से सुबह 8:50 बजे प्रस्थान कर भंवाद स्टेशन पर 09:32-09:33 बजे ठहराव लेगी, लालपुर जाम स्टेशन पर 10:05-10:06 बजे, जामनगर स्टेशन पर 11:12-11:17 बजे हापा स्टेशन पर 11:48-11:50 बजे, राजकोट स्टेशन पर 13:15-13:20 बजे, वाकानेर स्टेशन पर।

महाप्रबंधक ने बारह रेलवे कर्मचारियों को किया सम्मानित

एजेंसी

कोलकाता। अनिल कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने मंगलवार को गार्डेन रीच स्थित एसईआर मुख्यालय में बारह रेलवे कर्मचारियों को उनके कर्तव्य के प्रति समर्पण, सुरक्षा चेतना और फ्रंटलाइन स्टाफ के रूप में सराहनीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। जिन बारह कर्मचारियों को किया। जिन बारह कर्मचारिया का सम्मानित किया गया है वे हैं कमलेश रे, सीनियर मोटरमैन/ खड़गपुर,जोसेफ गारी, तकनीशियन-/सी एंड डब्ल्यू/बामरा, कृष्ण चंद्र, नायक, सीनियर तकनीशियन/सी एंड डब्ल्यू/झारसुगुड़ा, मिस मिली सरकार, पॉइंट्समैन-ए/बंकरा नयाबाज, । पुष्पा सिंग, ट्रैक मेंटेनर-।/श्यामचक, अनिल पांडे, ट्रैक मेंटेनर-/जलेश्वर, बिशाल विश्वास, ट्रैक मेंटेनर-/जलेश्वर, मोहम्मद सैफ अली खान, ट्रैक मेंटेनर-/कोटशिला, अमन कुमार, ट्रैक मेंटेनर-/हरुबेरा, उपेन्द्र राम, ट्रैक मेंटेनर-/झालिदा, रंजीत कुमार महतो, ट्रैक मेंटेनर-/तोरंग कांस्टेबल /आरपीएफ/रांची। और कमल महतो, प्रमुख सम्मानित होने वाले कर्मचारियों ने दुर्घटनाओं या अन्य दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अनुकरणीय समर्पण दिखाया। महाप्रबंधक, अनिल कुमार मिश्रा ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और कहा कि ऐसे समर्पित कर्मचारी हमेशा दक्षिण पूर्व रेलवे को ट्रेन संचालन में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने में सहायता करते हैं।

100 टन जिंदा मगरमच्छों की नीलामी

बीजिंग। चीन की एक अदालत ने कर्ज वसूल करने के लिए 1000 टन जिंदा मगरमच्छों की नीलामी करने का आदेश दिया है। एक क्रोकोडाइल कंपनी के ऊपर कर्ज बकाया था। कर्ज नहीं चुकाने के कारण अदालत ने यह फैसला किया। अभी तक इस बोली के लिए किसी ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है। शुरूआती बोली 4.60 करोड रुपए रखी गई है। सभी सियामी प्रजाति के मगरमच्छ हैं। 9 मई से अलीबाबा पर इसकी नीलामी शुरू होगी। दुनिया के देशों में पहली बार कर्ज वसूली के लिए इतनी बड़ी संख्या में मगर मगरमच्छों की नीलामी की जा रही है।

चूहे ने खोजी 109 बारूदी सुरंगे

कंबोडिया। कंबोडिया में एक चूहे ने 5 साल में 109 बारूदी सुरंगों का पता लगाया है। इस चूहे का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। अफ्रीका के विशालकाय थैलीदार चूहे ने यह कारनामा करके दिखाया है। 2021 से लेकर अभी तक 109 बारूदी सुरंग तथा 15 बिना फटे हुए बमो को खोजने का रिकॉर्ड इस चूहे के नाम पर है। इस चूहे का नाम रोनिन रखा गया है। जो काम सैकड़ो सैनिक नहीं कर सकते थे। वह काम एक चूहे ने करके दिखाया है।

ब्रह्माकुमारीज की मुखिया राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी का 101 साल की आयु में निधन

सिरोही/आबूरोड। ब्रह्माकुमारीज की प्रमुख 101 वर्षीय राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी नहीं रहीं। उन्होंने अहमदाबाद के जाइडिस अस्पताल में रात 1:20 बजे अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को शांतिवन लाया जा रहा है, जहां मुख्यालय शांतिवन के कॉन्फ्रेंस हाल में अंतिम दर्शनार्थ रखा जाएगा। 10 अप्रैल को सुबह 10 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। वो मात्र 13 वर्ष की आयु में ही ब्रह्माकुमारीज से जुड़ीं और पूरा जीवन समाज कल्याण में समर्पित कर दिया। 101 वर्ष की आयु में भी दादी की दिनचर्या ब्रह्ममुहूर्त में 3:30 बजे से शुरू हो जाती थी। सबसे पहले वह परमपिता शिव परमात्मा का ध्यान करतीं। राजयोग मेडिटेशन उनकी दिनचर्या में शामिल रहा। रतनमोहिनी का जन्म 25 मार्च 1925 को सिंध हैदराबाद के एक साधारण परिवार में हुआ। माता-पिता ने नाम रखा लक्ष्मी।

अंतरिक्ष में बढ़ेगी भारत की ताकत: चीन से मुकाबले को तैयार

नई दिल्ली। भारत अब अंतरिक्ष में भी अपनी सैन्य ताकत को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। जल्द ही देश एक मिलिट्री स्पेस डॉक्ट्रिन जारी करेगा, जो अंतरिक्ष में सैन्य अभियानों और रणनीतियों के लिए एक आधिकारिक मार्गदर्शक दस्तावेज होगा। इस बात की जानकारी चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने दी।

प्लाटून पुल क्षतिग्रस्त होने से आवागमन अवरूद्ध, शिकायत दर्ज

शशि भूषण दूबे /मोहम्मद अमीन शेख

मिजार्पुर। जिगना क्षेत्र के मिश्रपुर गंगा घाट पर पांटून पुल की पटरी टूट फूटकर धसने से रविवार की रात से ही चार पहिया वाहनों के चालक परेशान रहे। पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता ने बताया कि मरम्मत कार्य चालू कराकर दो दिन के अन्दर आवागमन व्यवस्थित शुरू करा दिया जाएगा। मिश्रपुर, बसेवरा, खैरा, नगवासी आदि गावों के अगस्त्यमुनि मिश्रा, आशीष मिश्रा, देवी शंकर मिश्रा, शमशेर अली, अबरार अली, अंकित मिश्रा, कमालुद्दीन आशीष दूबे आदि ने बताया की भारी वाहनों के आवागमन के कारण लकड़ी की पटरी टूटकर धस गई है।

22 को रवाना की जाएगी भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेल, देश के पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन को बढ़ाने के लिए भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन का संचालन शुरू कर रही है। इस ट्रेन को 22 अप्रैल 2025 को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रवाना किया जाना प्रस्तावित किया गया है। कुल 15 दिनों की इस यात्रा में पर्यटकों को असम स्थित गुवाहाटी, काजीरंगा, जोरहाट व शिवसागर, अरुणाचल प्रदेश में इटानगर, नागालैंड में दिमापुर व कोहिमा, त्रिपुरा में उनाकोटी, अगरतला व उदयपुर तथा मेघालय स्थित शिलॉन्ग व चेरापुंजी का भ्रमण कराया जाएगा। आधुनिक साज सज्जा के साथ तैयार डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन द्वारा पर्यटकों को न केवल पूर्वोत्तर भारत के महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों के भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा, वहाँ की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौन्दर्य को निहारने का भी मौका प्राप्त होगा। भारत गौरव ट्रेन द्वारा संचालित यह यात्रा पूर्वोत्तर के राज्यों को रेल के द्वारा देश के अन्य हिस्सों से जोड़ेगी और घरेलू पर्यटकों को पूर्वोत्तर राज्यों के पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए प्रेरित करेगी। दिल्ली से रवाना होकर पर्यटक ट्रेन गुवाहाटी पहुंचेगी, जहां कामाख्या देवी मंदिर व उमानन्दा मंदिर का दर्शन कराया जाएगा। होटलों में रात्रि विश्राम होगा। साथ ही पर्यटक गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर क्रूज का आनंद भी ले सकेंगे। गुवाहाटी से चल कर यह ट्रेन अरुणाचल स्थित नाहरलगुन स्टेशन के लिए रवाना होगी, जहां पर्यटकों को प्रदेश की राजधानी इटानगर स्थित गोम्पा बुद्धिस्ट मंदिर और थेरावदा बुद्धिस्ट मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा। ट्रेन का अगला पड़ाव असम के पूर्वी भाग में स्थित शिवसागर होगा, जो प्राचीन अहोम वंश की राजधानी रहा है। शिवसागर में प्राचीन शिव मंदिर व अन्य विरासत स्थलों का भ्रमण करने के उपरांत पर्यटक जोरहाट के चाय बागान देखते हुए काजीरंगा के लिए बसों द्वारा रवाना किए जाएंगे। जहां रात्रि विश्राम भी होगा और अगले दिन पर्यटकों को काजीरंगा राष्ट्रीय अभयारण्य का भ्रमण कराया जाएगा। काजीरंगा से चलकर पर्यटक फुरकटिंग रेलवे स्टेशन जाएंगे, जहां से ट्रेन पर सवार होकर त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के लिए रवाना होंगे। त्रिपुरा में पर्यटक दो दिनों के अंदर उनाकोटी के विरासत स्थल और अन्य ऐतिहासिक स्मारकों जैसे उजयंता महल व नीर महल का भ्रमण करेंगे। साथ ही पर्यटकों को उदयपुर स्थित शक्तिपीठ त्रिपुर सुंदरी मंदिर का दर्शन भी कराया जाएगा।

- इस अनूठी यात्रा में पूर्वोत्तर भारत के 5 राज्यों: असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, त्रिपुरा व मेघालय का भ्रमण कराया जायेगा।
- फर्स्ट एसी, सेकंड एसी एवं थर्ड एसी की सुविधा से युक्त स्टेट ऑफ आर्ट डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन 22 अप्रैल को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 14 रात 15 दिन के नॉर्थ ईस्ट डिस्कवरी टूर पर रवाना की जाएगी।
- पर्यटक ट्रेन में दो रेल रेस्टोरेंट पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र होंगे। विशेष रूप से तैयार पैन्ट्री कार में शाकाहारी भोजन तैयार करके परोसा जायेगा।
- टूरिस्ट ट्रेन में कुल 150 यात्री यात्रा कर सकेंगे।
- ट्रेन पर यात्रियों को दिल्ली सफदरजंग, गाजियाबाद, अलीगढ़, टुंडला, इटावा, कानपुर, लखनऊ व वाराणसी रेलवे स्टेशनों पर सवार होने व उतरने की सुविधा उपलब्ध होगी।

खास खबर

रिंकू ने टेटू का राज बताया

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने अपनी बांह में बनाये टेटू का राज बताया है। रिंकू ने कहा कि इससे उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गयी। रिंकू ने अपने क्रिकेट के सफर को याद करते हुये इस टैटू को लेकर बताया जिस पर ह्यभगवान की योजना, खूबसूरती से लिखा हुआ था और साथ ही ह्य2:20 लिखा हुआ था। ठीक वही पल जब वह कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े और उसने उनकी जदिंगी हमेशा के लिए बदल गयी। तक रिंकू ने लगातार पांच गेंदों में छक्के लगाये थे और वह रातों रात स्टार बन गये थे। कोलकाता फ्रेंचाइजी के साथ अपने विशेष संबंध को दिखने वाले इस टैटू की ओर संकेत करते हुए उन्होंने कहा कि जब मुझे 2018 में केकेआर ने 80 लाख रुपये में खरीदा था, तो वह रकम मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत बड़ी थी। तब पहले हमारे पास ज्यादा पैसे नहीं थे। इससे मेरे परिवार की जिंदगी बदल गई। मेरे भाई-बहनों की शादियाँ आसान हो गईं, और हमने उस पैसे से एक घर भी खरीदा। इसलिए मैंने यह टैटू बनवाया है, जिस पर परिवार लिखा है। जब मुझे चुना गया, तो ठीक 2:21 या 2:20 का समय था और उस क्षण से सब कुछ बदल गया।

11 से होगी पीएसएल की शुरूआत

करांची। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2025 की शुरूआत 11 अप्रैल से हो रही है और इसका पहला मुकाबला इस्लामाबाद यूनाइटेड और लाहौर कलंदर्स के बीच होगा। दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए तैयार हैं। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट के लिए राहत की खबर यह है कि सलामी बल्लेबाज सईम अयूब और फखर जमां पीएसएल में वापसी कर रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसकी पुष्टि की है कि दोनों खिलाड़ियों को बोर्ड के मेडिकल पैनल ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में खेलने की मंजूरी दे दी है। सईम अयूब जनवरी के बाद से किसी भी मुकाबले में नजर नहीं आए। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में खेले गए दूसरे टेस्ट के पहले दिन चोटिल हो गए थे, जिससे उन्हें लंबा आराम करना पड़ा। वहीं, फखर जमां चैंपियंस ट्रॉफी के शुरूआती मैच में चोटिल हो गए थे, जिसके चलते वे न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में भी शामिल नहीं हुए थे।

विल पुकोव्स्की ने क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज विल पुकोव्स्की ने महज 27 साल की उम्र में क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। बार-बार सिर में चोट (कंकशन) लगने के कारण उन्हें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा। पुकोव्स्की ने मेलबर्न के एक रेडियो शो में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की और इसे अपने जीवन की सबसे बड़ी निराशा बताया। विल पुकोव्स्की ने साल 2021 में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में लंबे समय तक ओपनिंग करने वाले बल्लेबाज के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन कंकशन की लगातार समस्याओं ने उनके करियर को समय से पहले ही खत्म कर दिया।

आईपीएल 2025: क्रुणाल पांड्या के आखिरी ओवर ने बदला खेल

आरसीबी ने मुंबई को 12 रन से हराया

एजेंसी

मुंबई। आईपीएल 2025 के 20वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) को उसके घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम पर 12 रन से मात दी। इस जीत के साथ ही आरसीबी ने 10 साल बाद मुंबई को उसके घर में हराने का कारनामा कर दिखाया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने विराट कोहली (67) और रजत पाटीदार (64) के शानदार अर्धशतकों की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 221 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 209 रन ही बना सकी। मुंबई के लिए हार्दिक और बोल्ट ने दो-दो विकेट झटके, जबकि विग्नेश पुथुर को एक सफलता मिली। 222 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने तेज शुरूआत की लेकिन यश दयाल और जोश हेजलवुड ने शुरूआती झटके देकर आरसीबी को अपरहैंज दे दिया। हार्दिक पांड्या (42) और तिलक वर्मा (56) ने विस्फोटक अंदाज में 89 रन की साझेदारी कर मुंबई की वापसी कराई, लेकिन भुवनेश्वर कुमार और हेजलवुड ने दोनों को आउट कर खेल पलट दिया।

मैच का असली रोमांच आखिरी ओवर में देखने को मिला जब मुंबई को 19 रन की जरूरत थी। क्रुणाल पांड्या ने लगातार विकेट लेकर मुंबई की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने तीन विकेट लेकर आरसीबी की जीत पक्की की और मैच में कुल चार विकेट चटकाए।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने भुवनेश्वर

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए आईपीएल में खेल रहे भुवनेश्वर कुमार ने एक इतिहास रच दिया है। भुवनेश्वर आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में भुवनेश्वर ने वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया है, जो लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेथ बॉलिंग एक्सपर्ट रहे थे। अब वे आईपीएल में नहीं खेलते हैं। भुवनेश्वर को सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मैच में एक विकेट मिला। भुवनेश्वर ने तिलक वर्मा को आउट किया और इसके साथ वे आईपीएल के इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज बन गए। भुवनेश्वर ने 179वें मैच में 184वां विकेट आईपीएल में लिया। इससे पहले ब्रावो ने 161 मैचों में 183 विकेट अपने नाम किए थे। भुवनेश्वर ने मुंबई के खिलाफ 4 ओवर में 48 रन दिए, लेकिन 18वें ओवर में तिलक को आउट करके उन्होंने आरसीबी की जीत पक्की कर दी थी। आईपीएल में बतौर तेज गेंदबाज सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अब भुवनेश्वर के नाम है, जबकि सूची में दूसरे नंबर पर ड्वेन ब्रावो हैं और तीसरे नंबर पर लसिथ मलिंगा हैं, जिन्होंने 122 मैचों में 170 विकेट लिए थे। वहीं, जसप्रीत बुमराह का चौथे नंबर पर आते हैं। वे 134 मैचों में 165 विकेट अब तक ले चुके हैं। वहीं, पांचवें नंबर पर उमेश यादव हैं। उमेश ने 148 मैचों में 144 विकेट लिए हैं।

रायडू ने सनराइजर्स की हार का कारण खराब गेंदबाजी बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल के इस सत्र में पैट कमिंस की कप्तानी में उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अपने खराब प्रदर्शन के कारण सभी के निशाने पर है। सनराइजर्स को अब तक खेले चार में से तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद टीम की हार का कारण उसकी कमजोर बल्लेबाजी को बताया जा रहा है। वहीं पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू का कहना है कि सनराइजर्स की हार का कारण उनकी बल्लेबाजी नहीं बल्कि कमजोर गेंदबाजी है। सनराइजर्स को आईपीएल 2025 में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा, यहां तक कि गुजरात टाइटन्स के खिलाफ घरेलू मैदान में भी वह असफल रही है। रायुडू ने कहा कि गेंदबाजी के साथ ही बीच के ओवरों में भी टीम विफल रही है। हैदराबाद ने 7 से 16 ओवरों में 12 विकेट लिए हैं, जिनका औसत 41.33 है और इकॉनमी 9.92 है, जो 10 टीमों में तीसरा सबसे कम हैं। रायुडू ने कहा, बीच के ओवरों में उनके पास कोई ऐसा नहीं है जो बड़े विकेटों को ले सके और विरोधी टीम पर दबाव बना सके। हैदराबाद के गेंदबाज अब तक बल्लेबाजों को बड़े शॉट लगाने से रोकने का प्रयास करते ही दिखे हैं। साथ ही कहा कि बीच के ओवरों में आप औसत दर्जे की गेंदबाजी के बल पर जीत हासिल नहीं कर सकते आपको विकेट लेने के लिए बेच के ओवरों में भी अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। बल्लेबाजी में टीम ने पहले मैच में 285 रन बनाये थे और उससे आने वाले मैचों में 300 रनों की उम्मीद थी पर टीम 200 रनों पर ही सिमट गयी है। उसके आक्रामक बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा भी अब तक 67 और 47 रन ही बना पाये हैं। पिछले चार मैचों में हेड और अभिषेक की शुरूआती साझेदारी 15 रन की ही रही है। रायुडू का मानना है कि अभिषेक का फॉर्म हैदराबाद की घबराहट का कारण नहीं है और उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उसे बस अपनी मानसिकता में बदलाव की जरूरत है।

रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का समापन

एजेंसी

नई दिल्ली। लुधियाना के सराभा नगर स्थित लीजर वैली स्केटिंग रिंग में पांच दिवसीय राष्ट्रीय पुरुष एवं महिला रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2025 का भव्य समापन हो गया। स्पेशल ओलंपिक्स भारत के पंजाब चैप्टर की इस प्रतियोगिता में आंध्र प्रदेश ने 18 पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

यह टूर्नामेंट स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स 2027 की तैयारियों का हिस्सा था और इसका उद्देश्य बौद्धिक अक्षमता से ग्रस्त खिलाड़ियों के लिए जागरुकता फैलाना और उन्हें उच्च स्तर के मंच प्रदान करना था। चैंपियनशिप के समापन अवसर पर राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा और लुधियाना के उपायुक्त हिमांशु जैन (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन की सराहना की।

डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा, ह्यह चैंपियनशिप केवल प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं बल्कि समावेशन, गरिमा और हर खिलाड़ी की प्रतिभा को सम्मान देने का जरिया है। यहां हर कोई जुनून, आत्मविश्वास और समुदाय की भावना से जीतता है। उन्होंने पंजाब के एरिया डायरेक्टर परमजीत सचदेवा का धन्यवाद करते हुए कहा कि आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे समाज की ओर बढ़ें, जहां हर खिलाड़ी को उसका हक और पहचान मिले। 2027 के स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स की दिशा में यह पहला कदम है।

पांच-पांच बार आईपीएल जीतने वाली टीमें पॉइंट्स टेबल में टॉप 5 में भी नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल के 18वें सीजन के कुल 20 मैच खेले जा चुके हैं। इन मुकाबलों के बाद पॉइंट्स टेबल में पांच-पांच बार की चैंपियन टीम मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स की टीम इस बार सबसे नीचे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद का हाल तो और भी बुरा है, जो 10 टीमों वाली अंकतालिका में आखिरी पायदान पर है। आईपीएल के 2025 के सीजन की पॉइंट्स टेबल वह टीम टॉप पर है, जिसने कभी टूर्नामेंट नहीं जीता है। यहां तक कि टॉप 4 में भी शामिल चार टीमों में से सिर्फ एक टीम ने ही खिताब जीता है। वहीं, अंकतालिका में आखिरी चार पायदानों पर विराजमान टीमों ने कुल 12 बार ट्रॉफी जीती हैं। इस समय पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर दिल्ली कैपिटल्स है, जिसे पहले खिताब का इंतजार है। दिल्ली ने तीन में से तीन मुकाबले जीते हैं। दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटन्स है, जो 4 में से तीन मैच जीत चुकी है। आरसीबी पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर है, जिसने 4 में से 3 मुकाबले जीते हैं। पंजाब किंग्स चौथे नंबर पर है, जो तीन में से दो मैच जीत चुकी है। कोलकाता नाइट राइडर्स टॉप 5 में है। केकेआर ने चार में से दो मुकाबले जीते हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स भी 4 में से दो मैच जीत चुकी है, जो छठे नंबर पर है। सातवें पायदान पर राजस्थान रॉयल्स है, जिसने 4 में से 2 मुकाबले जीते हैं। आठवें पर मुंबई इंडियंस है, जो 5 में से चार मुकाबले हार चुकी है। चेन्नई ने चार में से तीन मैच हारे हैं और एसआरएच ने पांच में से 4 मुकाबले हारे हैं।

कप्तान रजत पाटीदार पर लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) को आईपीएल 2025 में तीसरी जीत हासिल हुई है, लेकिन टीम के कप्तान रजत पाटीदार पर बीसीसीआई ने भारी जुमार्ना लगा दिया है। बीसीसीआई ने आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार पर इसलिए फाइन लगाया है, क्योंकि टीम को स्लो ओवर रेट का दोषी पाया। बीसीसीआई ने रजत पर 12 लाख रुपए का फाइन लगाया है। रजत पाटीदार से पहले मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या, राजस्थान रॉयल्स के स्टैंड इन कैप्टन रियान पराग और लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर भी स्लो ओवर रेट के लिए 12-12 लाख का फाइन लग चुका है। आईपीएल का 20वां लीग मैच मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच वानखेड़े स्टेडियम मुंबई में खेला गया।

त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम घोषित

हरमनप्रीत की वापसी, काश्वी गौतम को पहली बार मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी महिला त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह सीरीज श्रीलंका में खेली जाएगी, जिसमें भारत, मेजबान श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका की टीमें हिस्सा लेंगी। इस स्क्वॉड में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर की वापसी हुई है, जिन्हें आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान आराम दिया गया था।

टीम में सबसे अहम नाम काश्वी गौतम का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने इस साल हुई विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 विकेट झटके थे और शिखा पांडे के साथ संयुक्त रूप से भारतीय गेंदबाजों में सबसे अधिक विकेट लेने वाली खिलाड़ी रहीं। काश्वी तेज गेंदबाजी के साथ-साथ निचले क्रम में तेज बल्लेबाजी करने की क्षमता भी रखती हैं, जिससे उन्हें यह मौका मिला।

टीम से बाहर होने वालों में रेनुका सिंह ठाकुर, पूजा वस्त्रकार और तितास साधु जैसी तेज गेंदबाज शामिल हैं, जो फिलहाल चोटिल हैं। वहीं शीर्ष क्रम की बल्लेबाज शेफाली वर्मा को एक बार फिर चयनकताओं ने नजरअंदाज किया है। टीम में दो और नए नामों को भी शामिल किया गया है। बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चारनी और शुचि उपाध्याय। शुचि को पिछले साल सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया था। त्रिकोणीय सीरीज की शुरूआत 27 अप्रैल को भारत बनाम श्रीलंका मुकाबले से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 11 मई को खेला जाएगा। हर टीम को लीग चरण में चार मुकाबले खेलने होंगे और टॉप दो टीमें फाइनल में जगह बनाएंगी।

भारतीय महिला टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, काश्वी गौतम, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, तेजल हसबनीस, श्री चारनी, शुचि उपाध्याय।

धोनी ने अपनी पसंदीदा टीम में सचिन सहित तीन खिलाड़ियों को ही रखा

एजेंसी

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने अपने करिकर में कई दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेल और टीम की कप्तानी भी की पर जब धोनी से उनके पसंदीदा खिलाड़ियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने तीन नाम ही बताये। इसमें धोनी ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के साथ ही आक्रामक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग, सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया है। धोनी ने अपने करियर में जहीर खान, हरभजन सिंह, अनिल कुंबले और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ियों के साथ खेला। इसके अलावा अपने 16 साल के करियर में धोनी ने विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों को भी निखारा। वहीं जब धोनी से अपनी पसंदीदा टीम चुनने के लिए कहा गया, तो उन्होंने केवल तीन भारतीय खिलाड़ियों को ही शामिल किया। इसके बाद उन्होंने कोई नाम नहीं लिया। धोनी ने कहा, हां, मैं अपने भारतीय खिलाड़ियों के साथ रहूंगा। सहवाग , सचिन, गांगुली क्योंकि, आप जानते हैं, बात यह है कि हर किसी को अपने शीर्ष पर रखकर पर कल्पना करें और ऐसे में जब आप उन्हें खेलते हुए देखते हैं, तो आपको लगेगा कि उनसे बेहतर कोई नहीं है जबकि क्रिकेट उतार-चढ़ाव का खेल है। इसलिए यह बहुत मुश्किल हो जाता है कि कैसे चुनें लेकिन बड़े होकर हम सभी ने इन खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करते देखा है।

खेलों इंडिया यूथ गेम्स के लिए झारखंड बालक-बालिका मलखंब टीम का चयन संपन्न

पंच संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन एवं खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड सरकार के संयुक्त तत्वावधान में खेलों इंडिया यूथ गेम्स के लिए झारखंड बालक-बालिका मलखंब टीम का चयन आज (मंगलवार) को बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय, सेक्टर-2,धुर्वा, रांची के प्रांगण में संपन्न हुआ। इस खुली चयन प्रतियोगिता में झारखंड राज्य से संबंधित सभी जिला ईकाई के अतिरिक्त पूरे राज्य से लगभग सत्तर बालक-बालिका ने भाग लिया। 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक यानि इक्कीस दिवसीय झारखंड मलखंब टीम का प्रशिक्षण शिविर बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय, सेक्टर-2,धुर्वा, राँची में अपराह्न तीन बजे शाम छह बजे मुख्य प्रशिक्षक अजय झा, सहायक प्रशिक्षक विवेक कुमार, दिव्या कुमारी ,निखिल कुमार एवं खुशबू कुमारी के देखरेख में चलेगा। चयनित झारखंड टीम 5 से 8 मई तक बोधगया में आयोजित खेलों इंडिया यूथ गेम्स 2025 के तहत मलखंब प्रतियोगिता में भाग लेगी। खेलों इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने के झारखंड की बालक-बालिका मलखंब टीम तीन अप्रैल को बोधगया के लिए प्रस्थान करेगी। यह जानकारी झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन के महासचिव अजय झा ने दी।

जमशेदपुर एफसी की डिफेंस को भेदकर फाइनल में पहुंचा मोहन बागान

एजेंसी

कोलकाता। लीग शील्ड विजेता मोहन बागान सुपर जायंट की टीम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के फाइनल में पहुंच गई है, जहां उनका मुकाबला 12 अप्रैल को अपने घरेलू मैदान पर बेंगलुरू एफसी से होगा। मोहन बागान सुपर जायंट ने सोमवार रात विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेले गए आईएसएल 2024-25 के दूसरे सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मुकाबले में जमशेदपुर एफसी को 2-0 से हराया और 3-2 के कुल गोल अंतर के जरिये लगातार तीसरे खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। मेजबान टीम की जीत में ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड जैसन कमिंग्स ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक के जरिये और मिडफील्डर अपुया ने 90+4वें मिनट में इस सीजन का अपना पहला गोल किया। अपुया को निर्णायक गोल करने और मिडफील्ड में भरपूर मेहनत करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

घरेलू मैदान पर मोहन बागान सुपर जायंट की शानदार जीत से स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे, क्योंकि उनकी टीम लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई है। वहीं, रेड माइनर्स की संघर्षपूर्ण हार से मुख्य कोच खालिद जमील जरूर निराश होंगे, क्योंकि इस सीजन में उनकी टीम का सफर समाप्त हो गया। हालांकि खालिद जमील के रेड माइनर्स ने अपने घर पर डबल-लेग सेमीफाइनल का पहला मुकाबला 2-1 से जीता था।

मैच का पहला गोल 51वें मिनट में पेनल्टी किक के जरिये आया, जब ऑस्ट्रेलियाई फॉरवर्ड जैसन कमिंग्स ने मोहन बागान सुपर जायंट को बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 (कुल गोल अंतर 2-2) कर दिया। एमबीएसजी को पेनल्टी किक के रूप में यह सुनहरा मौका 50वें मिनट में मिला, जब बायीं तरफ से मिली कॉर्नर किक पर जैसन कमिंग्स ने क्रॉस डालकर गेंद को बॉक्स के अंदर पहुंचा, लेकिन गेंद स्कॉटिश सेंटर-बैक टॉम एल्ड्रेड के हैडर के बाद जमशेदपुर एफसी के सेंटर-बैक प्रणय हल्दर के हाथ में जा लगी और रैफरी तेजस नागवेंकर ने लंबी सीटी बजाकर पेनल्टी किक का इशारा कर दिया। इसके बाद कमिंग्स ने करारा लेफ्ट फुटर शॉट लगाकर गेंद को बॉटम राइट कॉर्नर के अंदर पहुंचा दिया जबकि जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर एल्बिनो गोमेज गलत अनुमान के साथ विपरीत दिशा की तरफ डाइव लगा बैठे। पांच मिनट के स्टॉपेज टाइम के दौरान 90+4वें मिनट में मिडफील्डर अपुया ने इस सीजन का अपना पहला गोल करके मोहन बागान सुपर जायंट की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 (कुल गोल अंतर 3-2) कर दिया। मिडफील्डर अनिरुद्ध थापा बॉक्स के बायीं तरफ से गेंद को माइनस करके सेंटर किया, जहां मौजूद अपुया ने लगभग 25 गज की दूरी से करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि जमशेदपुर एफसी के गोलकीपर एल्बिनो गोमेज अपने बायीं तरफ डाइव लगाकर भी बचाव नहीं कर पाए। पहला हाफ गोलरहित बराबरी पर रहा, क्योंकि दोनों ही टीमें गतिरोध तोड़कर बढ़त बनाने में नाकाम रहीं। लिहाजा, दोनों टीमें 0-0 की बराबरी के साथ हाफ टाइम ब्रेक पर गईं। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण मोहन बागान सुपर जायंट का 77 फीसदी रहा। एमबीएसजी ने 17 प्रयास भी किए, जिनमें से सात शॉट टारगेट पर रखे लेकिन पूरे हाफ के दौरान दबदबा बनाए रखने के बावजूद गोल नहीं कर पाए।

दक्षिण चीन के हाइनान प्रांत के किओन्घाई में आयोजित 16वें टूर ऑफ हाइनान साइक्लिंग रेस के स्टेज 1 की पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान एक्सडीएस अस्ताना टीम के माटेओ मालुचेली जश्न मनाते हुए।

बिना एसी-कूलर के ऐसे ठंडा करें अपना रूम, गर्मी में भी एकदम कूल रहेगा कमरा

गर्मी के मौसम में कमरे को ठंडा रखना काफी चैलेंजिंग होता है। हालांकि, आप बिना-एसी और कूलर के ही आप अपने कमरे को आसानी से ठंडा कर सकते हैं।

गर्मी का मौसम आते ही दिन-प्रतिदिन तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। देश के कई हिस्सों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। कई लोग तो गर्मी में राहत पाने के लिए अभी से ही एसी और कूलर का उपयोग करने लगे हैं। हालांकि, भीषण गर्मी में राहत पाने के लिए कुछ आसान तरीके से भी अपने कमरे को ठंडा कर सकते हैं।

खिड़कियों और दरवाजों को कब खोलें?

कमरे को ठंडा करने के लिए खिड़कियों और दरवाजों का सही तरह से उपयोग करने की जरूरत है। आप सुबह और रात के समय अपने कमरे की खिड़कियों को खोल कर रखें। इससे घर में ताजी और ठंडी हवा जाएगी। दिन के समय धूप से कमरा गर्म न हो इसके लिए आप रिफ्लेक्टिव पर्दे और विंडो ब्लाइंड का उपयोग करें। इससे कमरा गर्म नहीं होगा।

कमरे में रखें मिट्टी के घड़े में पानी

आप कमरे में मिट्टी के घड़े में पानी जरूर रखें। इससे कमरे का वातावरण काफी शांत रहेगा। आप हरे पौधों को भी लगा सकते हैं। स्नेक प्लांट, एलोवेरा, मनी प्लांट आदि कमरे में रखने से हवा ठंडा और शुद्ध बनी रहती है।

कमरे को करें डिक्लटर

गर्मी के मौसम में कमरे का डिक्लटर करने की बहुत जरूरी है। अगर आप भी कमरे में अधिक सामान रखे हुए हैं तो गैर जरूरी सामान को कमरे से तुरंत बाहर निकाल दें। इससे कमरा हवादार बना रहेगा। अगर आप भी अपने कमरे में कपड़ों को इधर-उधर रख देते हैं तो उसको अच्छे से फोल्ड कर अलमारी में रखें।

किताब और न्यूज पेपर को करें ऑर्गनाइज

अगर आप अपने कमरे में पढ़ाई करते हैं या फिर न्यूज पेपर को रखते हैं तो सबसे पहले इसके लिए जगह का चयन करें। आप इसको कमरे के एक कोने में रख सकते हैं।

बालों में मेहंदी लगाने के हैं कई नुकसान, बार-बार लगाने वाले जान लें

मेहंदी लंबे समय से बालों को रंगने के लिए पसंदीदा प्राकृतिक रंग रही है. सदियों से इस्तेमाल की जाने वाली यह डाई बालों को गहरा लाल-भूरा रंग देने के साथ-साथ उन्हें कंडीशन करने की क्षमता के लिए पसंद की जाती है. सिंथेटिक रंगों के विपरीत, मेहंदी को अक्सर एक सुरक्षित और कैमिकल फ्री ऑपशंस माना जाता है. हालांकि, बालों को रंगने के लिए अक्सर मेहंदी का इस्तेमाल करने से प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है. यह नेचुरल होती है लेकिन इसका अधिक प्रयोग बालों के लिए सही नहीं माना जाता. तो आइए बार-बार मेहंदी लगाने के कुछ साइडइफेक्ट भी जान लीजिए.

1. सूखापन और भंगुरता

मेहंदी का अधिक उपयोग बालों में अत्यधिक रूखापन उत्पन्न कर सकता है. इसमें मौजूद टैनिन बालों से प्राकृतिक तेल को खींच सकते हैं जिससे बाल ड्राई और भंगुर हो जाते हैं. पहले तो बालों में एक चिकनी बनावट आ सकती है लेकिन बार-बार मेहंदी लगाने से बालों की नमी खत्म हो सकती है, जिससे बाल टूटने और दोमुंहे होने का खतरा बढ़ जाता है.

2. बालों की बनावट में बदलाव

मेहंदी का नियमित रूप से इस्तेमाल बालों की प्राकृतिक बनावट को बदल सकता है जिनके बाल स्वाभाविक रूप से मुलायम और रेशमी होते हैं, वे समय के साथ खुरदरे और रूखे महसूस कर सकते हैं. मेहंदी बालों के शाफ्ट को अपने रंग से ढक लेती है, जिससे बाल घने दिखने लगते हैं.

3. बालों का पतला होना और टूटना

यह गलतफहमी है कि मेहंदी बालों को मजबूत बनाती है जबकि इसके अधिक उपयोग से इसका विपरीत असर हो सकता है. मेहंदी की सूखापन बालों के शाफ्ट को कमजोर कर सकता है, जिससे बाल भंगुर हो जाते हैं और टूटने लगते हैं. लगातार उपयोग से बाल पतले हो सकते हैं और गिरने लग सकते हैं क्योंकि स्कैल्प अपनी प्राकृतिक नमी और पोषण को बनाए रखने में असमर्थ हो सकता है.

4. एलर्जी-स्कैल्प की संवेदनशीलता

मेहंदी एक प्राकृतिक उत्पाद है, फिर भी कुछ व्यक्तियों में यह एलर्जी की प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सकती है. इसके लगातार संपर्क में आने से स्कैल्प में जलन, लालिमा, खुजली और चकते भी हो सकते हैं. कुछ लोगों में यह कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस का कारण बन सकता है जो एक सूजन वाली त्वचा की स्थिति है. जिन लोगों का स्कैल्प संवेदनशील होता है, उनके लिए यह प्रतिक्रिया अधिक हो सकती है इसलिए हर बार मेहंदी लगाने से पहले पैच टेस्ट करना बेहद जरूरी है.

5. दूसरा रंग नहीं चढ़ता

बार-बार मेहंदी का इस्तेमाल करने से बालों पर रंग की परत जम सकती है जिससे असमान और अप्राकृतिक रंग पैदा हो सकते हैं. चूंकि मेहंदी जल्दी फीकी नहीं पड़ती, बार-बार लगाने से गहरे और कभी-कभी दागदार रंग हो सकते हैं, जिन्हें सुधारना मुश्किल हो सकता है. रासायनिक रंगों के विपरीत, मेहंदी का स्थिर रंग उसे हल्का करना या बिना नुकसान के पूरी तरह से हटाना मुश्किल बना देता है.

मेहंदी के लगातार उपयोग का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह बाद में सिंथेटिक रंगों से बालों को रंगने को लगभग असंभव बना देता है. मेहंदी की परत एक अवरोध उत्पन्न करती है जो रासायनिक रंगों को बालों के शाफ्ट में समाने से रोकती है. सिंथेटिक हेयर कलर बदलने की कोशिश करने पर अप्रत्याशित रंग उत्पन्न हो सकते हैं, जैसे हरा या नारंगी. इस प्रकार, जबकि मेहंदी एक प्राकृतिक और पारंपरिक उपाय हो सकती है लेकिन अधिक उपयोग से बचें.

गर्मियों में इन 3 तरीकों से खाएं खीरा, कोलेस्ट्रॉल होगा कंट्रोल और डिहाइड्रेशन से मिलेगा बचाव

न्यूट्रिएंट जर्नल के अनुसार, खीरा कई महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह पूरे शरीर को फायदा पहुंचाता है। इसलिए भोजन में इसके प्रयोग को बढ़ाना चाहिए।

गर्मियों के मौसम में स्वास्थ्य के साथ-साथ खानपान का ध्यान रखना भी बहुत ही जरूरी हो जाता है। गर्मी में डिहाइड्रेशन समस्या बहुत आम हो जाती है। गर्मियों में खीरा सेहत के लिए अमृत समान है। यह 90प्रतिशत पानी से भरपूर होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल, वजन और पाचन के लिए भी फायदेमंद होता है। खीरा एक ऐसा लॉ कैलोरी फूड है जिसका सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। खीरे का सेवन कई अन्य तरीकों से भी किया जा सकता है।

खीरे के पोषक तत्व

गर्मियों के मौसम में खीरे का सेवन ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। न्यूट्रिएंट जर्नल के अनुसार, खीरा में ज्यादातर विटामिन मौजूद होते हैं। खीरा में विटामिन बी1, विटामिन बी2, विटामिन बी3, विटामिन बी5, विटामिन बी6, फोलिक एसिड, विटामिन सी मौजूद होते हैं। विटामिन के अलावा, खीरा में कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटेशियम और जिंक होता है।

खीरा के फायदे
शुगर कंट्रोल
कब्ज और पाचन के लिए अच्छा
वेट लॉस में मदद
सूजन को कम करने में मददगार
स्किन के लिए लाभकारी
कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल
डिहाइड्रेशन
खीरा का जूस

खीरे का सेवन कई प्रकार से किया जा सकता है। खीरे को सालद के रूप में सबसे ज्यादा खाया जाता है। इसके अलावा खीरे का जूस भी बहुत लाभकारी होता है। खीरे को छिलके के साथ पीसेज में कट कर लें। इसमें काला नमक, काली मिर्च पाउडर, 1 चम्मच लेमन जूस के साथ अच्छी तरह ब्लेंडर में पीस कर पिएं। इससे कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद मिलती है। खीरा डाइजेशन सुधारता है और पेट को ठंडा रखता है। इसके साथ ही ये कम कैलोरी वाला होने के कारण वजन घटाने में मददगार है।

खीरे का डिटॉक्स वॉटर

1 लीटर पानी में कटे हुए खीरे, नींबू के टुकड़े और पुदीने की पत्तियां डालकर 2-3 घंटे तक भिगोकर रखें। इस पानी को दिनभर पिएं। खीरे का डिटॉक्स वॉटर पीने स डिहाइड्रेशन से बचाव होता है और शरीर को ठंडक मिलती है। खीरे का पानी टॉक्सिन्स बाहर निकालता है, जिससे स्किन ग्लो होती है। इसके अलावा इससे ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

खीरे की सब्जी

खीरे की सब्जी बनाकर भी खाया जा सकता है। 3-4 खीरा, सरसों तेल, राई, 1 हरी मिर्च, हल्दी और नमक से खीरे की सब्जी तैयार की जा सकती है। खीरे को छील लें और इसे अच्छी तरह धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक पैन में सरसों तेल डालकर राई और हरी मिर्च से चटका लें। इसके बाद कटे हुए खीरे को डाल दें। हल्दी-नमक स्वाद के अनुसार डाले और फ्लेम लो कर और ढंककर इसे पका लें। खीरे की सब्जी का सेवन करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

मोसम्बी का जूस पीने के हैं कई फायदे

वजन कम करने से हार्ट हेल्थ सुधारने तक!

एक पुरानी कहावत है, अच्छी सेहत ही सबसे बड़ा धन है. इस कहावत को हर उस इंसान ने सुना होगा जब वो बीमार पड़ा होगा. यह बात बिल्कुल सही भी है. हमें अपने शरीर का ख्याल रखना जरूरी है नहीं तो समय के साथ कई बीमारियां उसे अपनी चपेट में ले सकती हैं. अच्छी सेहत के लिए डाइट में कुछ ऐसी चीजों को सेवन करना चाहिए जो इम्यूनिटी को बनाए रखें और मेटाबॉलिज्म को भी सही रखें. अब चाहे वो लिक्विड चीजें हों या फिर सॉलिड. हालांकि फल हमारे शरीर के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं लेकिन कुछ लोग फल की जगह जूस का सेवन भी करते हैं.

एक्सपर्ट्स का कहना है कि यदि मोसम्बी का जूस को रोजाना सीमित मात्रा में सेवन करता है तो उसे कई बेनिफिट्स हो सकते हैं. तो आइए आज हम आपको मोसम्बी के जूस के फायदे बता देते हैं.

विटामिन सी से भरपूर- विटामिन सी का एक अच्छा सोर्स मोसम्बी का जूस है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है और सर्दी-जुकाम से बचाता है.

डाइजेशन सुधारे- ये जूस अपच, गैस और कब्ज को दूर करने में मदद करता है. यह पाचन को साफ करता है और हाजमे को बेहतर बनाता है.

त्वचा के लिए लाभदायक- मोसम्बी का जूस विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर होने के कारण मुंहासों को कम करने और त्वचा को निखारने में मदद करता है.

वजन कम करने में सहायक- इसमें कैलोरी कम होती है और यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जो वजन घटाने में मदद करता है.

हार्ट के लिए फायदेमंद- दिल की सेहत के लिए मोसम्बी का जूस ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है.

हाइड्रेट रखे- मोसम्बी का जूस शरीर को हाइड्रेशन में मदद करता है खासकर गर्मियों में. वहीं गर्मियों में ही इसकी सबसे अधिक खपत होती है.

एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण- शरीर की सूजन को कम करने में इसमें प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो काफी फायदेमंद होते हैं. यही कारण है कि मोसम्बी का जूस न सिर्फ स्वादिष्ट है, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी बहुत अच्छा है. सुबह खाली पेट इसे पीने से अधिक फायदा होता है, लेकिन ध्यान रखें इसमें शुगर की मात्रा अधिक होती है इसलिए बिना एक्सपर्ट की सलाह के सेवन न करें.

पूरी जिंदगी काम करना चाहती हैं करीना कपूर

अभिनेत्री करीना कपूर खान ने बुधवार को अपनी फिटनेस और जिंदगी के बारे में खुलकर बात की। 44 साल की करीना ने कहा कि वह हमेशा फिट रहना चाहती हैं, ताकि बुढ़ापे में भी काम और पारिवारिक जीवन का आनंद ले सकें। यह बात उन्होंने अपनी न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवेकर की किताब द कॉमनसेंस डाइट के विमोचन के अवसर पर कही।

मेरे लिए उम्र महज एक नंबर

करीना ने कहा कि वह किसी की मदद या बैसाखी के बिना अपनी जिंदगी जीना चाहती हैं। उन्होंने कहा, उम्र मेरे लिए बस एक नंबर है। मैं फिट रहना चाहती हूं, ताकि 70 या 75 की उम्र में भी सेट पर जा सकूं। मुझे पूरी जिंदगी काम करना है। अपने नाती-पोतियों को उठाने के लिए भी ताकत चाहिए। इसके लिए रुजुता की सलाह से सही खाना खाती हूं।

फिट रहने के लिए क्या करती हैं करीना?

करीना का मानना है कि अच्छा खाना, योगा और थोड़ी एक्सरसाइज आपको अंदर से अच्छा महसूस कराते हैं। इस पर बात करते हुए करीना ने कहा, जिंदगी और उम्र मेरे लिए यही है। मैं इसे पसंद करती हूं। मैं घी और खिचड़ी खाती हूं, थोड़ा वेट ट्रेनिंग करती हूं, सूर्य नमस्कार करती हूं। बोटॉक्स या स्किन ट्रीटमेंट से ज्यादा मुझे अपनी मेहनत पर भरोसा है। करीना ने आगे कहा, खुद पर भरोसा ही सबकुछ है। हर दिन खुद को हौसला दो, तो लोग भी आप पर भरोसा करेंगे। उन्होंने अपने छोटे बेटे जेह के जन्म के बाद की बात भी साझा की। 2021 में जेह के जन्म के बाद उनका वजन 25 किलो बढ़ गया था। एक पल को उन्हें लगा कि फिर से मेहनत करनी पड़ेगी, लेकिन तुरंत खुद को संभाला।

नितांशी ने जताई किरण राव-आमिर खान के साथ फिर काम करने की इच्छा

पिछली साल रिलीज हुई फिल्म लापता लेडीज को समीक्षकों और दर्शकों दोनों का ही प्यार मिला। आईफा अवॉर्ड्स 2025 में भी फिल्म का जलवा रहा और इसने वहां बेस्ट फिल्म समेत 10 अवॉर्ड अपने नाम किए। इस फिल्म से नितांशी गोयल को काफी पहचान मिली, जिसके बाद फैंस ने उनके अभिनय को भी सराहा। बीते दिनों जयपुर में हुए आईफा अवॉर्ड्स में नितांशी ने अमर उजाला के साथ खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने फिल्म और पर्सनल लाइफ से जुड़े कई अनुभव साझा किए।

पहली बार आईफा का हिस्सा बनीं नितांशी

नितांशी ने इस साल पहली बार आईफा अवॉर्ड्स में हिस्सा लिया। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा, मैंने आईफा हमेशा अपने परिवार के साथ टीवी पर देखा है और जब मैं इसे आज अटैंड कर रही हूं तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। खास बात यह है कि यहां हमारी फिल्म लापता लेडीज को कई कैटेगरी में नॉमिनेट भी किया गया।

फिल्म ने दिलाई खास पहचान

लापता लेडीज के बाद मिली पहचान और प्यार के बारे में पूछने पर नितांशी ने कहा- इस फिल्म मुझे खास पहचान मिली है। जिंदगी में बहुत खूबसूरत सा बदलाव आया है क्योंकि हर किसी को अच्छा लगता है, जब उन्हें लोगों से प्यार मिलता है। आप सबने तो मुझे पूरी टोकरी भरकर दे दी है प्यार की तो यह मेरे लिए बहुत अच्छा है।

इंडस्ट्री से मिल रहा समर्थन

लापता लेडीज के बाद इंडस्ट्री से मिले खास समर्थन के बारे में बात करते हुए नितांशी ने कहा कि उन्हें बहुत लोगों का समर्थन और प्यार मिला। इंडस्ट्री उनके साथ बहुत प्यार से व्यवहार करती है। उन्हें फिल्म की रिलीज के बाद इंडस्ट्री के कई लोगों से खूब तारीफें सुनने के लिए भी मिलीं। नितांशी ने कहा कि इंडस्ट्री से सबसे बेहतरीन सलाह उन्हें यह मिली कि वह जैसी हैं, वैसी ही रहें और उनका यह अंदाज इंडस्ट्री में काफी आगे लेकर जाएगा।

एक्ट्रेस की बेटी होने के बावजूद अलाया को करना पड़ा संघर्ष

आलाया फर्नीचरवाला ने जबसे बॉलीवुड में कदम रखा है, तब से उन्होंने कड़ी मेहमत से अपना रास्ता बनाया है। अदाकारी को लेकर उनके अंदर जुनून है। उनकी फिल्मों में कई दिलचस्प कहानियां हैं जो इस बात की तरफ इशारा करती हैं कि उन्होंने कभी अपने आपको पूर्वानुमान तक सीमित नहीं रखा। हालांकि उनकी कामयाबी का रास्ता इतना आसान नहीं था। फिल्मी बैकग्राउंड से आने के बावदूद उन्होंने अपने हिस्से का संघर्ष किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने इस पर खुलकर बात भी की है। अलाया के हवाले से बॉलीवुड बबल ने लिखा है जब भी कोई ऑडिशन होता था तो ऐसा नहीं था कि कोई मुझे सीधे आकर फिल्म दे देता था। मैं कई बार कई लोगों से मिलती, लेकिन कई बार उन बैठकों का कोई नतीजा नहीं निकलता था। मैंने अपने हिस्से का संघर्ष किया है। कई बार मैं रातों को रोती थी। मैंने एक-एक महीने में 10-10 ऑडिशन दिए और रिजेक्ट हुई। कई बार मैं बहुत तैयारी करती थी और आखिरी वक्त में रिजेक्ट हो जाती थी। कई बार ऐसा भी वक्त आया जब मुझे बाहर कर दिया गया और मेरी जगह पर किसी और को रखा गया। ये यात्रा बहुत अलग थी।

जबरदस्त रही अलाया की डेब्यू फिल्म

बहुत सारी दिक्कतों का सामना करने के बावजूद आलाया फर्नीचरवाला ने जवानी जानेमन में जबरदस्त डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हर अगली फिल्म में स्क्रीन पर एकदम सही दिखने के लिए उन्होंने अपने काम में सुधार किया और एक्टिंग को बेहतर किया। चाहे वह फेड्ड में रोमांचक शैली हो या फिर बड़े मियां छोटे मियां में एक्शन हो, अलाया ने हर फिल्म में बंधनों को आसानी से तोड़ा है। उनके काम को देखते हुए फैंस उन्हें दोबारा स्क्रीन पर देखना चाहते हैं।

कौन हैं अलाया फर्नीचरवाला?

अलाया फर्नीचरवाला अमेरिकन एक्ट्रेस हैं। वह हिंदी फिल्मों और टीवी सीरियल में नजर आती हैं। वह अभिनेत्री पूजा बेदी की बेटी हैं। उन्होंने जवानी जानेमन से बॉलीवुड से डेब्यू किया। इसके बाद वह अलमोस्ट प्यार विथ डीजे मोहब्बत और श्रीकांत जैसी फिल्मों में काम किया। उन्हें बेस्ट डेब्यू के लिए फिल्म फेयर अवॉर्ड भी मिल चुका है।

एस एस राजामौली ने अचानक लिया फैसला एक ही भाग में रिलीज होगी एसएएसएमबी 29

मशहूर निर्देशक एस एस राजामौली अपनी अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज मुख्य किरदारों में होंगे। यह भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट माना जा रहा है। हाल ही में इस फिल्म को लेकर खबर आई है कि राजामौली ने इसे एक ही भाग में बनाने का फैसला किया है। पहले चर्चा थी कि यह दो हिस्सों में रिलीज होगी।

इस वजह से एक भाग में रिलीज होगी फिल्म

पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक राजामौली नहीं चाहते कि कहानी को बेवजह दो हिस्सों में बांटा जाए। उनका मानना है कि कई फिल्ममेकर्स कमर्शियल फायदे के लिए ऐसा करते हैं। एक सूत्र ने इस बारे में कहा, राजामौली एसएसएमबी 29 को एक ही फिल्म में पेश करना चाहते हैं। यह फिल्म उतनी ही भव्य होगी जितनी उनकी हिट फिल्म आरआरआर थी।

कई अहम सीन की हो चुकी है शूटिंग

इस फिल्म की लंबाई करीब 3 घंटे 30 मिनट होगी। फिलहाल, इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। टीम ने कई अहम सीन फिल्मा लिए हैं। जल्द ही एक दो मिनट का वीडियो रिलीज होगा, जिसमें फिल्म की असली झलक दिखाई देगी। यह वीडियो ऑफिशियल अनाउंसमेंट के लिए तैयार किया जा रहा है। काशी की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म दर्शकों को एक नया अनुभव देगी।

राजामौली इस फिल्म को ग्लोबल लेवल पर ले जाना चाहते हैं। इसके लिए वे इंटरनेशनल स्टूडियोज और फिल्ममेकर्स से बात कर रहे हैं। जल्द ही इस बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट होगा। फिल्म की शूटिंग 2026 के मध्य तक चलेगी। रिलीज की बात करें तो यह 2027 की गर्मियों में सिनेमाघरों में आएगी।

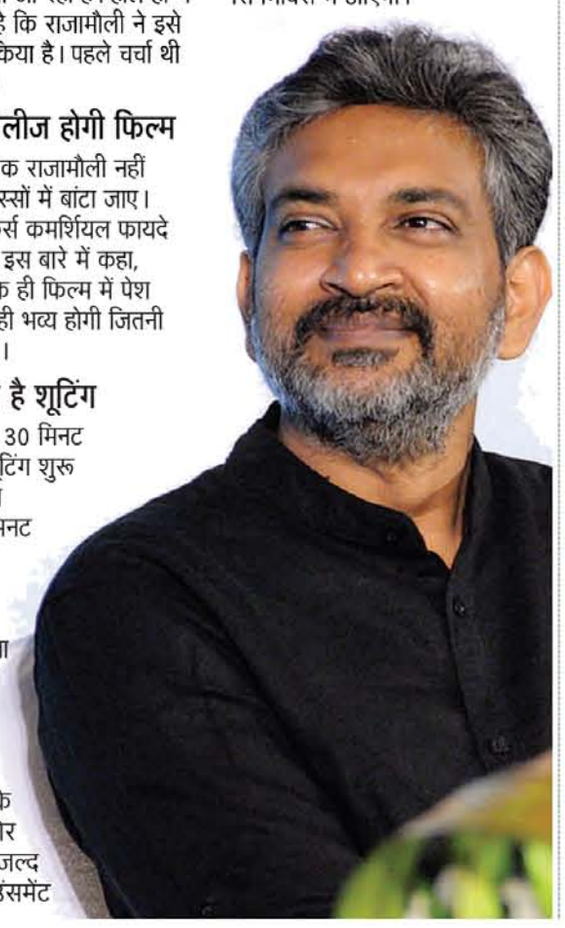

क्या ब्रेकअप से उबरने लगी है तमन्ना भाटिया

बॉलीवुड में आए दिन ब्रेकअप की खबरें सुनने को मिलती हैं। इन दिनों भी तमन्ना भाटिया और एक्टर विजय वर्मा के ब्रेकअप की खबर चर्चा में है। इन्हीं खबरों के बीच तमन्ना भाटिया को एक फैशन शो देखा गया। इस रैंप वॉक का वीडियो तमन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया। तमन्ना की रैंप वॉक को फैंस ने भी खूब सराहा है। देखिए, तमन्ना भाटिया का वो खास रैंप वॉक वीडियो।

रैंप वॉक में तमन्ना भाटिया का जलवा

तमन्ना भाटिया ने हाल ही में एक फैशन शो में रैंप वॉक किया। वह फाल्गुनी पीकॉक की डिजाइनर ड्रेस में नजर आई। ब्लैक, गोल्डन पैटर्न वाली इस ड्रेस में तमन्ना बला की खूबसूरत नजर आई। तमन्ना ने भी रैंप वॉक को एक बेहतरीन अनुभव बताया।

फैंस को पसंद आया तमन्ना का कॉन्फिडेंस

तमन्ना ने फैशन शो में रैंप वॉक करने का यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया। इस वीडियो को देखकर उनके फैंस ने भी इंस्टाग्राम पोस्ट पर रिएक्शन दिए। एक यूजर ने लिखा, 'तमन्ना का कॉन्फिडेंस कमाल का है।' वहीं कुछ यूजर्स ने तमन्ना को अपना क्रश बताया। इसके अलावा बाकी यूजर्स ने तमन्ना भाटिया की खूबसूरती की तारीफ की।

ब्रेकअप को लेकर चुप्पी नहीं तोड़ी

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया लंबे वक्त तक रिलेशनशिप में रहे। हाल ही में इनके अलगाव की खबरें सुनने को मिली। लेकिन इस बारे में अब तक विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया ने ब्रेकअप को लेकर चुप्पी नहीं तोड़ी है। लेकिन दोनों ने एक-दूसरे के साथ दिखना अब बंद कर दिया है। दोनों अपने काम में पूरी तरह से व्यस्त दिखते हैं। लगता है कि इस तरह से दोनों अपने ब्रेकअप से उबरने की कोशिश में लगे हुए हैं।

तमन्ना की आने वाली फिल्म

तमन्ना भाटिया की आने वाली फिल्म 'ओडेला 2' है। यह एक सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म है। फिल्म के निर्देशक अशोक तेजा हैं। फिल्म 'ओडेला 2' को 'ओडेला रेलवे स्टेशन' की अगली कड़ी बताया जा रहा है।

12वीं फेल के बाद कई किरदारों से निखरे विक्रांत, टॉप एक्टर बनने के बावजूद रहा इस बात का मलाल

विक्रांत मैसी आज वो बॉलीवुड के टॉप एक्टर्स में शुमार हैं, जिनकी एक्टिंग की सादगी और गहराई हर किसी को प्रभावित करती है, लेकिन ये मुकाम उन्हें आसानी से नहीं मिला। विक्रांत की कहानी एक ऐसे शख्स की है, जिसने अपने सपनों को सच करने के लिए कदम-दर-कदम संघर्ष किया और मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाई। टीवी के छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड के बड़े पर्दे तक का उनका सफर प्रेरणादायक है।

विक्रांत का टीवी करियर का सफर

विक्रांत मैसी का जन्म मुंबई में हुआ था, लेकिन बॉलीवुड में उनकी एंट्री किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं। एक आउटसाइडर के तौर पर उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की। अभिनय की दुनिया में कदम रखने का पहला मौका साल 2007 में टीवी शो धूम मचाओ धूम में मिला, लेकिन उन्हें असली पहचान दी बाबा ऐसा वर ढूंढो और बालिका वधू जैसे शोज ने। बाबा ऐसा वर ढूंढो में भरत साहनी के किरदार और बालिका वधू में श्याम के रोल ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। कुबूल है और ये है आशिकी जैसे शोज में भी उनकी मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान खींचा। टीवी पर सालों तक मेहनत करने के बाद विक्रांत ने बड़े पर्दे का रुख किया।

ऐसे मिला पहला ब्रेक

विक्रांत को उनका पहला एक्टिंग ब्रेक एक अनोखे तरीके से मिला। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि साल 2004 में वो एक टॉयलेट के बाहर खड़े थे, तभी एक महिला ने उनसे पूछा कि क्या वो एक्टिंग करना चाहेंगे। ये ऑफर उनके लिए किसी सुनहरे मौके से कम नहीं था। उन्हें हर एपिसोड के 6000 रुपये देने की बात हुई और बस यहीं से उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया। ये छोटा सा मौका उनके लिए बड़े सपनों की सीढ़ी बन गया।

बॉलीवुड में पहला कदम और संघर्ष

2013 में विक्रांत ने फिल्म लुटेरा से बॉलीवुड में डेब्यू किया। रणवीर सिंह और सोनाक्षी सिन्हा स्टारर इस फिल्म में उनका रोल छोटा था, लेकिन उनकी एक्टिंग ने इंडस्ट्री का ध्यान खींचा। इसके बाद दिल धड़कने दो और हाफ गर्लफ्रेंड में सहायक किरदारों में नजर आए। असली ब्रेक उन्हें 2017 में मिला, जब कोंकणा सेन शर्मा की फिल्म ए डेथ इन द गंज में वो लीड रोल में दिखे। अब तक विक्रांत कई फिल्में कर चुके थे, लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें खास पहचान नहीं मिली थी।

12वीं फेल ने बदल दी किस्मत

विक्रांत का करियर तब चमका, जब 2023 में उनकी फिल्म 12वीं फेल रिलीज हुई। विधु विनोद चोपड़ा की इस फिल्म में उन्होंने आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा का किरदार निभाया। उनकी सादगी और मेहनत से भरी परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म सुपरहिट रही और उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद सेक्टर 36 और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों ने उन्हें ओटीटी और सिनेमाघरों में एक भरोसेमंद सितारे के तौर पर स्थापित किया।

प्राधिकरण ने 7 बिल्डर्स सोसाइटी के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

नोएडा प्राधिकरण के जल खण्ड-1, 2 तथा 5 के प्रबंधकों ने दर्ज कराई एफआईआर

नोएडा (चेतना मंच)। एनजीटी, पर्यावरण तथा जल अधिनियम का उल्लंघन करने पर नोएडा

प्राधिकरण के जल एवं सीवर विभाग ने 7 बिल्डर सोसाइटी के खिलाफ विभिन्न थानों में एफआईआर कराई गई है। यह जानकारी महाप्रबंधक (जल एवं सीवर) आर.पी. सिंह ने दी है।

उन्होंने बताया कि प्रबंधक जल खण्ड-1 पवन बरनवाल ने सेक्टर-113 थाने में मैसर्स सिक्का कार्मिक सेक्टर-78 के खिलाफ तथा इसी थाने में मैसर्स आरजी रेजीडेंसी सेक्टर-120 के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

इसी तरह जल खण्ड-2 के प्रबंधक अनस खान ने सेक्टर-49 थाने में मैसर्स ग्रेनाइट गेट प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड सेक्टर-100 (लोटस बुलवर्ड सोसाइटी) के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इसी तरह सेक्टर-49 थाने में अनस खान ने मैसर्स एम्स मैक्स गार्डेनिया सेक्टर-75 स्थित सोसायटी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इसी तरह सेक्टर-142 थाने में भी जल खंड-2 द्वारा मैसर्स पूर्वांचल रॉयल पार्क सेक्टर-137 के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

जल खंड-3 के प्रबंधक पीपी सिंह द्वारा सेक्टर-49 थाने में मैसर्स प्रतीत बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड (प्रतीक स्टटइलोम) सेक्टर-45 के खिलाफ तथा सेक्टर-113 थाने में मैसर्स आम्रपाली सिलिकॉन सिटी सेक्टर-76 के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

महाप्रबंधक आरपी सिंह ने बताया कि जल विभाग की विभिन्न टीमों द्वारा उक्त बिल्डर्स सोसायटी का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें एसटीपी आवश्यक क्षमता के अनुरूप संचालित नहीं पाया गया। वहीं कहीं पर नाले में सीवर का पानी डाला जा रहा था। नोटिस देने के बाद भी उक्त बिल्डरों ने कोई उपाय नहीं किए। बिल्डरों की यह कार्यवाही एनजीटी तथा पर्यावरण मानकों का सरासर उल्लंघन है। इसलिए सभी बिल्डर सोसायटी के खिलाफ विभिन्न सबंधित थानों में जल खंड- प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई है।

सलारपुर में चला बाबा का बुल्डोजर, 21 करोड़ की जमीन से हटाया अवैध निर्माण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने ग्राम सलारपुर में अवैध अतिक्रमण पर बुल्डोजर एक्शन लिया है। बाबा के बुल्डोजर ने नोएडा के ग्राम सलारपुर में लगभग 21 करोड़ की बेशकीमत जमीन पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने चेतावनी दी है कि नोएडा की अधिसूचित भूमि पर किसी भी तरह का अतिक्रमण न किया जाए।

नोएडा प्राधिकरण के उप महाप्रबंधक सिविल विजय रावल ने बताया कि ग्राम सलारपुर क्षेत्र में नोएडा की अधिसूचित भूमि खसरा संख्या 583 पर बिजेंद्र भड़ाना निवासी सलारपुर द्वारा लगभग 2100.00

वर्ग मीटर भूमि पर बाउंड्रीवाल कर अवैध निर्माण किया जा रहा था जिसे वर्क सर्किल व प्राधिकरण पुलिस द्वारा मिलकर संयुक्त रूप से ध्वस्त किया गया। कार्यवाही के बाद लगभग 2100.00 वर्गमीटर भूमि को क़ब्ज़ा मुक्त कराया गया। मुक्त कराई गई जमीन की कीमत 21 करोड़ रूपये है। श्री रावल ने बताया कि नोएडा में प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम के स्पष्ट निर्देश हैं कि प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित भूमि पर अतिक्रमण न होने पाए। प्राधिकरण ने यह भूमि विकास योजनाओं के लिए अधिसूचित की है।

निशान यात्रा में गूंजे खाटू श्याम के जयकारे

सेक्टर-34 में कल होगा श्री श्याम संकीर्तन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 में निशान यात्रा निकाल दिया श्री श्याम संकीर्तन के लिए निमंत्रण खाटू नरेश के जयकारों से गूंजा मार्ग भजनों पर थिरके भक्त।

श्री श्याम सेवक समिति सेक्टर-34 द्वारा आमंत्रण एवं निशान यात्रा निकालकर कम्युनिटी सेंटर सेक्टर-34 में गुरुवार को होने वाले श्री श्याम संकीर्तन के लिए शहरवासियों को निमंत्रण दिया गया। निशान यात्रा में श्याम बाबा के भजनों पर भक्त थिरकते रहे। खाटू नरेश के जयकारों से मार्ग गुंजायमान रहा।

आयोजक धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि निशान यात्रा सेक्टर-34 स्थित अमलताश मार्केट से शुरू होकर सेक्टर-33 गिझोड़ रोड हनुमान मंदिर नीलगिरी अपार्टमेंट हिमगिरी अपार्टमेंट धवलगिरी अपार्टमेंट उदयगिरी अपार्टमेंट एव अरावली अपार्टमेंट से निकाली गई। बंगाली श्रृंगार और सतरंगी फूलों से सजे खाटू श्याम की शंखनाद की ध्वनि के साथ आरती उतारी गई। निशान व आमंत्रण यात्रा का समापन पुष्प वर्षा के साथ उत्सव स्थल कम्युनिटी सेंटर में हुआ। इस दौरान धर्मेन्द्र शर्मा प्रवीन मदान सौरभ सिंघल रजनीश गुप्ता हिमांशु गुप्ता प्रदीप कुमार जगपाल सिंह विश्वजीत सरकार पुनीत आहूजा इशांत कपूर अनिल टंडन मुकेश शर्मा रवि चौहान राजेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

ओवरलोड वाहनों पर कड़ी कार्यवाही,21 के चालान काटे

नोएडा (चेतना मंच)। ओवरलोडिंग वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग के अधिकारी कड़ी कार्यवाही कर रहे हैं। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन गौतमबुद्धनगर डॉ उदित नारायण पांडेय ने बताया कि माह अप्रैल के पहले सप्ताह में ओवर लोडिग वाहनों पर कडी कार्यवाही करते हुये 21 ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध चालान कर निरुद्ध किया गया तथा प्रशमन शुल्क रु 18 लाख 63 हजार रूपये वसूला गया।

उन्होंने बताया कि ओवरलोडिंग ट्रकों, मिनी ट्रकों में क्षमता से अधिक माल लादने से कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। यह न केवल वाहन चालकों और सड़क पर चलने वालों के लिए

खतरा पैदा करता है, बल्कि आर्थिक और पर्यावरणीय नुकसान भी पहुंचाता है। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन ने बताया कि भारत में मोटर वाहन अधिनियम के तहत ओवरलोडिंग गैरकानूनी है। पकड़े जाने पर भारी जुर्माना(रु 20 हजार और रु 2 हजार प्रतिटन) वाहन जब्ती और चालक लाइसेन्स व परमिट निरस्तीकरण सहित अनेक कडी कानूनी कार्रवाई की जाती है। उन्होंने सभी ट्रक चालकों, मालिकों और परिवहन व्यवसायियों से अपील करते हुए कहा कि ओवरलोडिंग से बचें।

सेक्टर-27 में आज होगा श्री खाटू श्याम का गुणगान

कल निकाली गई थी निशान यात्रा, हजारों लोग शामिल

नोएडा (चेतना मंच)। आज सेक्टर-27 इंदिरा मार्केट में श्री खाटू श्याम के गुणगान से भक्तिरस की गंगा बहेगी।

इस संकीर्तन में कलकत्ता से आए प्रवाहक राज पारेख, जयपुर से आयुष सोमानी, वृंदावन से आए मुरलीशरण अपनी सुरीली आवाज से खाटू श्याम के भजन गाकर भक्तों को खाटू श्याम का दीवाना बनाएंगे। नवनीत ने बताया कि परिवार की ओर से सन् 2016 से खाटू श्याम का गुणगान महोत्सव कराया जाता आ रहा है।

इस भजन संध्या से एक दिन पूर्व खाटू श्याम की निशान यात्रा

निकाली गई, जो कि सेक्टर 27 की इंदिरा मार्किट से शुरू होकर आस-पास के क्षेत्र में भ्रमण के बाद कार्यक्रम स्थल सेक्टर-19 पर समाप्त होगी। जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालुओं के शामिल हुए

आज होने वाले महोत्सव में भव्य एवं विशाल दरबार की व्यवस्था के साथ साथ अखण्ड ज्योत, फूलों की होली, इन वर्षा और 56 भोग प्रसाद की भी विशेष व्यवस्था रहेगी। यह जानकारी भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष तुषार गोयल ने दी।

सांख्यिकी अधिकारी ने किया फसल कटान का निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। सांख्यिकी अधिकारी मेरठ मंडल, मेरठ सुशील कुमार गौतम द्वारा ग्राम खटाना धीरखेड़ा तहसील दादरी में गेहूं की फसल की क्रॉप कटिंग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। किसान देवेंद्र के खेत गाटा संख्या 703 में पहुंच कर सांख्यिकी अधिकारी मेरठ मंडल, मेरठ द्वारा गेहूं की फसल की क्रॉप कटिंग के कार्य का निरीक्षण किया एवं निरीक्षण के दौरान 10 म10 म10 त्रिकोण मीटर के क्षेत्र की फसल से गेहूं को निकलवा कर क्रॉप कटिंग के मानक के अनुसार माप करवायी, जिसमें 17.500 किग्रा0 गेहूं निकला।

इस अवसर पर अपर सांख्यिकी अधिकारी अलका चौहान, लेखपाल ग्राम खटाना धीरखेड़ा, संबंधित राजस्व निरीक्षक एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सेक्टरों में विकास कार्यों की रफ्तार सुस्त, फोनरवा ने जताई चिंता

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के आवासीय सेक्टरों में व्याप्त समस्याओं के समय

पर निस्तारण न होने पर फोनरवा ने चिंता जताई है। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) के प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम.जी. से मुलाकात कर नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में लंबे समय से लंबित विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। फोनरवा के पास 50 से अधिक आरडब्ल्यूए के विभिन्न सेक्टरों से संबंधित समस्याओं के लगभग 200 से अधिक पत्र प्राप्त हुए हैं।

फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने इस दौरान बताया कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा विकास से संबंधित कार्यों पर समय पर कार्रवाई नहीं हो रही है, जिससे सेक्टरों में बुनियादी सुविधाओं का विकास ठप पड़ा है। जिससे स्थानीय निवासियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

महासचिव के.के. जैन ने बताया कि आरडब्ल्यूए द्वारा बार-बार लिखित शिकायत दी गई। लेकिन निर्णयों की जानकारी नहीं दी जाती।

प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ से आग्रह किया कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम. ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सभी लंबित कार्यों को जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया की 19 अप्रैल 20 25 को सभी सर्कल के अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा,महासचिव के के जैन, त्रिलोक शर्मा,विजय भाटी,सुशील यादव, अशोक मिश्रा, प्रदीप वोहरा,राजेश सिंह आदि उपस्थित थे।

अंतरिक्ष क्षेत्र में एमिटी के योगदान को किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। अंतरिक्ष अनुसंधान और रक्षा नवाचार के क्षेत्र में अपने अग्रणी योगदान के लिए, इंडियन स्पेस एसोसिएशन द्वारा एमिटी विश्वविद्यालय को नई दिल्ली के मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान में 卐भारत के अंतरिक्ष रक्षा आधार को मजबूत करना卐 विषय पर आयोजित भारतीय रक्षा क्षेत्र संगोष्ठी 2025 के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र के दौरान एक प्रतिष्ठित प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। यह प्रमाण पत्र आईएसपीए के अध्यक्ष डॉ. जयंत पाटिल और आईएसपीए के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल ए. के. भट्ट ने एमिटी विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू. सेल्वामूर्ति को प्रदान किया गया।

एमिटी को भारतीय डिफेंसस्पेस संगोष्ठी 2025 के विशिष्ट ज्ञान साझेदार के रूप में नामित किया गया है और विस्तृत प्रशस्ति पत्र को प्रतिष्ठित अंतरिक्ष और रक्षा वैज्ञानिकों और वरिष्ठ स्तर के सशस्त्र बल अधिकारियों की उपस्थिति में पड़ा गया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान एमिटी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के समूह द्वारा तैयार भारतीय अंतरिक्ष सम्मेलन कार्यक्रम 2024 की पोस्ट इवेंट रिपोर्ट भी जारी की गई।

हाल के वर्षों में, एमिटी विश्वविद्यालय ने अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास प्रयासों की एक श्रृंखला शुरू की है, जिसमें एमिटी शिक्षण समूह और अनुसंधान प्रतिष्ठानों के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. अशोक के चौहान द्वारा द्वारा एमिटी अंतरिक्ष मिशन के तहत सामाजिक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव के साथ राष्ट्रीय

सुरक्षा को मजबूत करने में काफी योगदान दिया है। एमिटी एजुकेशन ग्रुप का हिस्सा एमिटी इंटरनेशनल स्कूल्स को वैश्विक अंतरिक्ष प्रतियोगिताओं में उनकी निरंतर उत्कृष्टता के लिए भी स्वीकार किया गया, जिसने लगातार पांच वर्षों तक नासा की स्पेस सेटलमेंट डिजाइन प्रतियोगिता में शीर्ष सम्मान हासिल किया।

इस कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान पीवीएसएम, एमपी- आईडीएसए के महानिदेशक राजदूत सुजान आर. चिनॉय, पूर्व वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी पीवीएसएम एवीएसएम वीएम (सेवानिवृत्त), छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल और पूर्व रक्षा सचिव;माननीय राज्यपाल शेखर दत्त, एसएम, आईएएस (सेवानिवृत्त) उपस्थित थे। इस अवसर पर आईएसपीए ने एमिटी यूनिवर्सिटी को अपना नॉलेज पार्टनर बनाने पर बहुत गर्व व्यक्त किया और राष्ट्र निर्माण तथा समाज की भलाई के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी की उन्नति के लिए इस साझेदारी को पोषित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com